शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 328 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 28 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनएसयूआई ने नीट परीक्षा को लेकर किया प्रदर्शन, एनटीए कार्यालय पर जड़ा ताला पेज 2
एनआईए कोर्ट ने दो बांग्लादेशी आतंकी साजिशकर्ताओं को सुनाई सजा पेज 3
किसानों और व्यापारियों का पलायन रोकने के लिए मुख्यमंत्री से गुहार पेज 5
पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर पेज 7

विभाजन का दंश झेलने वालों को मोदी सरकार ने दी नागरिकता, अब जी रहे सम्मानजनक जीवन : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। एनडीए की सरकार बनने के बाद आज पहली बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद में अपना अभिभाषण दिया। इस दौरान मुर्मु ने कहा कि मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत उन्हें भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करके विभाजन के कारण पीड़ित कई परिवारों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित किया है। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने विवादास्पद सीएए का उल्लेख किया और कहा कि मोदी सरकार ने इस अधिनियम के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि नागरिकता ने विभाजन के कारण पीड़ित -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कराएगी व्यवहार्यता अध्ययन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने मोदी सरकार की बीते 10 सालों की बड़ी उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए व्यवहार्यता अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। मुर्मु ने संसद में कहा कि मेरी सरकार ने देश के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए व्यवहार्यता अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। अपने भाषण में उन्होंने देश के पश्चिमी भाग में अहमदाबाद और मुंबई के बीच चल रही हाई-स्पीड रेल परियोजना का भी उल्लेख किया। मुर्मू ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई के बीच हाई-स्पीड रेल इकोसिस्टम पर भी काम तेजी से चल रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

हेलमेट के अलावा चालकों को कोई जुर्माना नहीं : सीएम

नलबाड़ी (हि.स.)। अब असम में बाइक चालकों तथा आटो रिक्शा आदि छोटे वाहन चालकों को हेलमेट के अलावा अन्य किसी भी प्रकार का फाइन नहीं लगाया जा सकेगा। असम कैबिनेट की नलबाड़ी में आज हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो पहिया वाहनों के लिए जुर्माना अब केवल हेलमेट उल्लंघन पर लगेगा। दस्तावेजों की विसंगतियों पर फाइन नहीं लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात जुर्माना नियमों में यह महत्वपूर्ण बदलाव बाइक और ऑटो रिक्शा चालकों को आर्थिक परेशानी से बचाने के लिए लिया गया। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर वित्तीय बोझ कम करने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है। उन्होंने कहा कि तत्काल प्रभाव से दोपहिया वाहनों के लिए जुर्माना केवल हेलमेट उल्लंघन पर होगा। दस्तावेज विसंगतियों के -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने चुनाव नतीजों के बाद विघटनकारी ताकतों पर निशाना साधा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद कुछ समूहों पर राज्य में अशांति पैदा करने का आरोप लगाया असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कुछ समूहों पर राज्य में अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस को इन उपद्रवी तत्वों से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। शर्मा ने कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमने देखा है कि कुछ लोग गंभीर आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से राज्य में शांति को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। माजबाट, ढेकियाजुली और दुधनै में बलात्कार के मामलों और बारपेटा और कोकराझार गांवों में भीड़ द्वारा की गई हिंसा सहित पांच घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने पिछले महीने अपराधों में चिंताजनक वृद्धि का उल्लेख किया। शर्मा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान इस तरह के अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई थी, लेकिन पिछले एक महीने में ऐसी घटनाओं की एक श्रृंखला हुई है और यह चिंता का विषय है। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि ये घटनाएं एक विशेष वर्ग द्वारा आपराधिक व्यवहार के पैटर्न को दर्शाती हैं और पुलिस को अपराधियों के -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस कभी नहीं सुधर सकती : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सैम पित्रोदा को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। मुख्यमंत्री ने आज एक्स पर सैम पित्रोदा को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त करने के लिए कांग्रेस पार्टी की जमकर निंदा की। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि कांग्रेस कभी नहीं सुधर सकती। प्रधानमंत्री ने पहले ही देश को कांग्रेस की भ्रामक नीतियों और इरादों से अवगत करा चुके हैं। चुनाव खत्म होते ही इस परिवार (कांग्रेस) के मुख्य सलाहकार, जो पूर्वोत्तर भारत के लोगों के बारे में बुरा-भला कह चुके हैं, घर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

नागरिकों पर हमला करने में कथित रूप से शामिल पुलिसकर्मी निलंबित

गुवाहाटी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को गुवाहाटी में नागरिकों पर हमले में कथित रूप से शामिल चार पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया। सिंह ने कहा कि उन्होंने गुवाहाटी पुलिस आयुक्त को सभी आरोपी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने चारों आरोपी पुलिसकर्मियों की पहचान पराग ज्योति बर्मन, तीर्थ डेका, ध्यानज्योति तामुली और कांस्टेबल कल्पज्योति नियोग के रूप में की है। उन पर सोमवार (24 जून) को गुवाहाटी के वशिष्ठ इलाके में नशे की हालत में एक महिला सहित नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि कई लोगों की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है। लोगों का आरोप है कि चार पुलिसकर्मी, जो उस समय -शेष पृष्ठ दो पर

भारी बारिश के बाद सड़कें पानी से हुई लबालब, डिब्रूगढ़ में बाढ़ जैसे हालात

डिब्रुगढ़। असम के डिब्रूगढ़ शहर में गुरुवार सुबह भारी बारिश के बाद अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया। इनमें व्यस्त मनकोट्टा रोड भी शामिल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित डिब्रूगढ़ में अनियोजित जल निकासी व्यवस्था के कारण उन्हें दशकों से बाढ़ और जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। डिब्रूगढ़ निवासी परिमल बानिक ने कहा कि लचर जल निकासी व्यवस्था के कारण जलभराव की समस्या होती है। हालांकि संबंधित विभाग हर वार्ड में सड़कें बनाता है, लेकिन वह इन सड़कों के पास नालियों की खुदाई करने से बचते हैं। नाम नहीं बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि डिब्रूगढ़ टाउन प्रोटेक्शन (डीटीपी) नाले के पास अतिक्रमण के कारण बारिश का पानी शहर से बाहर नहीं जा पाता है, जिसके चलते कई क्षेत्रों में जलभराव हो जाता है। सेवानिवृत्त प्राध्यापक इस्माइल अहमद ने कहा कि हमें एक वैज्ञानिक जल निकासी प्रणाली की आवश्यकता है जो शहर से पानी को बाहर निकाल सके। डिब्रूगढ़ असम के सबसे पुराने शहरों में से एक है और बरसात के मौसम में यह सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। इस दौरान असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, हालांकि बुधवार शाम तक सात जिलों में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सीबीआई हिरासत में केजरीवाल ने मांगी गीता, घर का खाना और बेल्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में बुधवार को तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की हिरासत जांच एजेंसी को देते हुए हिरासत अवधि के दौरान कुछ रियायतों के उनके अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया। हिरासत के दौरान, केजरीवाल को अपना चश्मा बरकरार रखने, निर्धारित दवाएं लेने, घर का बना खाना खाने, भगवद गीता की एक प्रति रखने और अपनी पत्नी और रिश्तेदारों से रोजाना एक घंटे मिलने की अनुमति होगी। इसके अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की, कहा-

आपातकाल का जिक्र टाला जा सकता था

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उनके द्वारा आपातकाल का उल्लेख किए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह *स्पष्ट रूप से राजनीतिक* है और इसे टाला जा सकता था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संसद भवन में बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी, जिस दौरान राहुल गांधी ने सदन में अध्यक्ष द्वारा आपातकाल लागू किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। अध्यक्ष ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता घोषित किया और इसके बाद उन्होंने अन्य भारतीय गठबंधन सहयोगी नेताओं के साथ अध्यक्ष से मुलाकात की। यह पूछे जाने पर कि क्या गांधी ने सदन में उठाए जा रहे आपातकाल के मुद्दे पर चर्चा की? वेणुगोपाल ने कहा कि हमने संसद के कामकाज के बारे में कई चीजों पर चर्चा की। बेशक, यह मुद्दा भी उठा। कांग्रेस नेता ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ के जवान पर हाथियों के झुंड का हमला, एसआई मरे

शिलांग। मेघालय में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। राज्य में हाथियों के झुंड ने सेना के जवानों पर हमला कर दिया। बीएसएफ के एक अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक मेघालय के पश्चिमी गारो हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश इंटरनेशनल बॉर्डर के सुदूरवर्ती हिस्से में ड्यूटी के दौरान बुधवार सुबह जंगली हाथियों के झुंड ने बीएसएफ के एक जवान पर हमला कर उसे कुचलकर मार डाला और एक कांस्टेबल को घायल कर दिया। वेस्ट गारो हिल्स के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अब्राहम संगमा ने बताया कि दालू डब्ल्यूजीएच के पास अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ड्यूटी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

चुनौतिया ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है और इसी से आपके जिंदगी का महत्व निर्माण होता है।

– जोशहुआ जे मरीन

न्यूज गैलरी

चुनाव परिणाम ने दर्शाया भारत हिंदू राष्ट्र नहीं : अमर्त्य सेन

कोलकाता (हि.स.)। अमेरिका से कोलकाता पहुंचे नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा है कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों से साफ है कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है। उन्होंने इस बात पर नाखुशी जताई कि देश में बिना मुकदमा चलाए लोगों को सलाखों के पीछे रखने का अंग्रेजों के शासनकाल का चलन अब भी जारी है। कांग्रेस सरकार की तुलना में यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में अधिक है। -शेष पृष्ठ दो पर

शताब्दी वर्ष में पांच विषयों को लेकर समाज के बीच जाएगा आरएसएस

लखनऊ (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं। इसलिए संघ (आरएसएस) शताब्दी वर्ष 2025 में पंच परिवर्तन के पांच विषयों को लेकर समाज के बीच जाएगा। इन पांच आयामों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी व नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ के कार्यकर्ता इन्हीं पांच विषयों को लेकर समाज का प्रबोधन करने का काम करेंगे। इसलिए चाहे संघ की कोई बैठक हो या अन्य कोई सार्वजनिक कार्यक्रम संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी पंच परिवर्तन का विषय जरूर रखते हैं। संघ के स्वयंसेवक इन पांच विषयों पर समाज के लोगों को साथ में लेकर कार्य करेंगे। अस्पृश्यता समाज के लिए पाप और कलंक है तथा संघ इसे मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक समरसता गतिविधि के नाम से देशभर में संघ सामाजिक समरसता निर्माण करने के लिए काम कर रहा है। सामाजिक समरसता के विषय में संघ ने स्पष्ट किया है कि समाज में विभेद के विरुद्ध विमर्श खड़ा करना तथा समरसता के लिए निरंतर प्रयास करना इस कार्ययोजना -शेष पृष्ठ दो पर

आडवाणी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को आज दिल्ली के एम्स अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उन्हें कल तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट (बुजुर्गों का इलाज करने वाला विभाग) के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। उम्र संबंधित दिक्कतों के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अडवाणी इस समय 96 वर्ष की आयु के हैं और उम्र संबंधित दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। उनका नियमित घर पर चेकअप होता है। हाल ही में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। मालूम हो कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठतम नेता लालकृष्ण आडवाणी को देररात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें चिकित्सकों की गहन निगरानी में रखा गया है। पूर्व उपप्रधानमंत्री आडवाणी को एम्स के पुराने प्राइवेट वार्ड में भर्ती कराया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

एनएसयूआई ने नीट परीक्षा को लेकर किया प्रदर्शन, एनटीए कार्यालय पर जड़ा ताला

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में कथित अनियमितताओं के विरोध में गुरुवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के ओखला स्थित कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और एजेंसी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने एनटीए कार्यालय में घुसकर उसे अंदर से बंद कर दिया। वहीं भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई ने एक वीडियो जारी कर कहा कि देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली एनटीए जैसी भ्रष्टाचारी संस्था पर राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एनटीए के दिल्ली ऑफिस पर ताला लगाकर नीट, नेट और सीयूईटी समेत सभी परीक्षाओं के छात्रों को न्याय देने की मांग की। अगर एनटीए को बैन नहीं किया गया तो एनएसयूआई देश पूरे भर में एनटीए के ऑफिस पर ताला लगाएगी। इस वीडियो में एनएसयूआई कार्यकर्ता एनटीए बंद करो और एनटीए मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना के प्रकाश में आने के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और परीक्षा एजेंसी के कार्यालय में जमा भीड़ को तितर-बितर करना शुरू कर दिया। इस बीच, भारतीय युवा कांग्रेस

(आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास के नेतृत्व में नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली को लेकर जंतर-मंतर के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर जाने का प्रयास किया तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें रोका। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम पेपर लीक से पीड़ित छात्रों को न्याय दिलाकर ही रहेंगे। श्रीनिवास ने कहा कि आज भारतीय युवा कांग्रेस के हजारों साथी नीट पेपर लीक और उससे जुड़ी धांधली का विरोध कर रहे थे, लेकिन देश के लाखों युवाओं का भविष्य तबाह करने वाली तानाशाह मोदी सरकार से यह बर्दाश्त न हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी आवाज को दबाने के लिए सरकार के इशारे पर यूथ कांग्रेस के साथियों पर लाठियां बरसाई गईं और बर्बरता की गई। पुलिस की यह लाठियां हमारा हौसला नहीं तोड़ पाएंगी। उन्होंने कहा कि हम न्याय के लिए लड़ते रहेंगे, तानाशाह सरकार को सच के आगे झुकना ही पड़ेगा। आज नहीं तो कल हर एक लाठी का हिसाब होगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाता है। एनटीए ने गत 5 मई को 4,750 केंद्रों पर नीट-यूजी-2024 परीक्षा आयोजित की थी और इसमें करीब 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षा का परिणाम 4 जून को घोषित किया गया, लेकिन इसके बाद बिहार जैसे राज्यों में प्रश्नपत्र लीक होने तथा अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए इसकी एक उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में राज्य के अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। इस दौरान बिष्णुपुर जिले के हाई कैनाल के पास कीनौ मैनिंग से एक एसएमजी कार्बाइन, एक 9 एमएम पिस्तौल और एक मैगजीन, एक पोम्पी शेल, सात आईएलयू शेल, एक इंसास मैगजीन और 6 जिंदा राउंड, एक एसएलआर मैगजीन, चार बाओफेंग डब्ल्यूटी सेट और एक चार्जर, नौ एचई 36 ग्रेनेड, दो ग्रेनेड सेफ्टी रिंग, दो स्मोक बम, एक आंसू गैस ग्रेनेड, दो दंगा विरोधी दोहरे शेल, तीन डेटोनेटर, 42 गोला-बारूद, एक आंसू धुआं शेल और एक रबर बुलेट बरामद किया गया। जबकि एक अन्य तलाशी अभियान में, एक बोल्ट एक्शन .303 राइफल,

चार देशी बोल्ट एक्शन .303 राइफल, दो 12 बोर बंदूकें, तीन लंबी दूरी के भारी मोर्टार (पोम्पी), एक 9 मिमी पिस्तौल मैगज़ीन के साथ, छह 82 मिमी के इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक बम, डेटोनेटर के बिना दो 36 हैंड ग्रेनेड, 82 जिंदा राउंड और तीन रेडियो सेट इंफाल पूर्वी जिले के सनासाबी नतुम चिंग की पहाड़ियों से बरामद किए गए। इनके अलावा एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान चुराचांदपुर जिले के सैदन गांव पहाड़ी क्षेत्र से तीन देशी एसबीएमएल हथियार बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

कोलकाता : भाजपा के दफ्तर पर चला बुलडोजर

कोलकाता। राजधानी कोलकाता सहित कई जिलों में अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज हो गया है। इसी के तहत कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय को गिराया गया। कोलकाता के तारातला के गोरगाचा में भाजपा का कार्यालय ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन की ओर से बिना नोटिस के गोरगाचा स्थिति भाजपा कार्यालय को तोड़ दिया गया। भाजपा कार्यकर्ता एमबी महेश ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि बिना नोटिस के बुलडोजर से भाजपा कार्यालय क्यों गिरा दिया गया। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं कि भाजपा यहां मजबूत हो रही है। पास में तृणमूल कांग्रेस का एक कार्यालय है, जहां अवैध गतिविधियां चलती हैं।

ट्रीम्स को अपनी सीट बढ़ाने की मिली मंजूरी

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन स्थित टोमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (ट्रीम्स) को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अपनी एमबीबीएस सीटों को 50 से बढ़ाकर 100 करने की मंजूरी मिल गई है। अधिकारी सूत्र के अनुसार राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) अधिनियम, 2019 की प्रासंगिक धाराओं के तहत संस्थान द्वारा प्रस्तुत एक आवेदन के जवाब में मंजूरी दी गई है। सीटों में वृद्धि बैंक गारंटी के सत्यापन के अधीन है। अधिकारियों ने कहा कि इससे संस्थान अधिक छात्रों को प्रवेश देने में सक्षम होगा, जिससे क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा क्षमता बढ़ेगी। एनएमसी के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) के सदस्य जीतूलाल रामप्रसाद मीना द्वारा जारी अनुमोदन पत्र में कहा गया है कि बढ़ी हुई सीटों की अनुमति तब तक वैध रहेगी जब तक कि नई क्षमता के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों का पहला बैच उनके लिए उपस्थित न हो जाए। इसके बाद, संस्थान को एनएमसी अधिनियम, 2019 की धारा 35(2) के तहत योग्यता की मान्यता लेनी होगी। ट्रीम्स को एनएमसी नियमों के अनुसार पूरे शैक्षणिक वर्ष में बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, शिक्षण संकाय और नैदानिक सामग्री सहित आवश्यक मानदंडों को बनाए रखना होगा। यदि अनुमति प्राप्त करने के लिए झूठे या मनगढ़ंत दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है या यदि संस्थान औचक मूल्यांकन के दौरान मानकों को पूरा करने में विफल रहता है तो अनुमति पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

पाकिस्तानी शहर में अचानक 22 अज्ञात लाशें मिलने से फैली सनसनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक शहर के अलग-अलग हिस्सों में 22 अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को पांच नए शव मिलने के बाद स्थिति और खराब हो गई, जिससे इन रहस्यमयी मौतों को लेकर चिंता बढ़ गई और हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पाकिस्तान में छीपा वेल्फेयर एसोसिएशन (एक गैर-लाभकारी कल्याण संगठन) के अनुसार, नवीनतम पीड़ितों में से तीन नशे के आदी प्रतीत होते हैं। हालांकि संगठन के स्वयंसेवकों के प्रयासों के बावजूद, 22 शवों में से किसी की भी अभी तक पहचान नहीं की जा सकी है। छीपा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वॉलंटियर्स को मंगलवार को कराची के विभिन्न इलाकों में पांच और शव मिले जिनमें से तीन ड्रग के आदी लगते हैं, हालांकि, अब तक एक भी शव की पहचान नहीं की गई है। इन मौतों के लिए बंदरगाह शहर में चल रही हीटवेव को जिम्मेदार ठहराया गया।

संसद में सेंगोल विवाद पर भाजपा ने सपा पर किया पलटवार, कहा-

यह भारतीय संस्कृति का अनादर

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद में सेंगोल को लेकर विवाद छिड़ गया है। समाजवादी पार्टी के सांसद आर के चौधरी ने गुरुवार को संसद भवन में सेंगोल को हटा कर संविधान की प्रति रखने की मांग की। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने सपा पर पलटवार करते हुए उस पर भारतीय संस्कृति का अनादर करने का आरोप लगाया। गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाजवादी पार्टी के सांसद कहते हैं कि सेंगोल

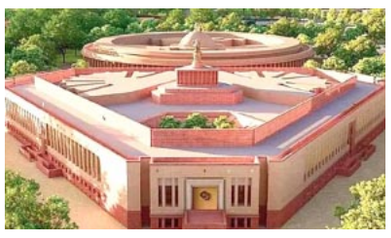

राजशाही का प्रतीक है, इसलिए इसे संसद से हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो पार्टी भाई-भतीजावाद का प्रतीक है वो एक बार फिर भारतीय संस्कृति के ऐसे अभिन्न अंग तमिल संस्कृति का अपमान करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि अगर यह राजशाही का प्रतीक था तो देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने इसे स्वीकार क्यों किया? क्या वह उस प्रतीक और राजशाही को स्वीकार कर रहे थे? उल्लेखनीय है कि गुरुवार को समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी ने संसद से सेंगोल को हटाने की मांग करते हुए कहा कि सेंगोल के स्थान पर संविधान की प्रति स्थापित करनी चाहिए।

eCF No. 320507/117

ADVERTISEMENT NOTICE FOR

ASSAM PENSION SCHEME FOR JOURNALISTS FOR THE YEAR 2024-25

Applications are invited from the retired journalists for awarding Pension under the "Assam Pension Scheme for Journalists" for the year 2024-25.

*** 'TERMS AND CONDITIONS:**

ELIGIBILITY CRITERIA FOR SUBMISSION OF APPLICATION :

1. He/She has to attain 60 (sixty) years of age and has to retire from the job of a journalist/ photo journalist/ correspondent/ camera person (news).
2. He/She must be domicile of Assam and must have served as a journalist in Assam for not less than 20 years preceding his/her date of retirement.
3. He/She must be a journalist as defined under Working Journalist Act, 1955. Preference will be given to those who were issued Recognition/ Accreditation Card by the Directorate of Information and Public Relations, Govt. of Assam.
4. He/She must not be drawing any pension from any other source except under the Employees Provident Fund.
5. The Proprietor, Proprietor-cum-Editor, Manager-cum-Editor and those whose nature of job is not related to working journalist will not be eligible for the scheme.
6. The Government Servant shall not be eligible for Journalist Pension. One person shall not get more than one pension out of Pensions for Journalist/ Literature/Sports persons.
7. Mail-Id for communication/queries = journalistpension.assam-2024@gmail.com.

How to apply :

Intending candidates will have to submit their application duly filled up in the prescribed format along with all related papers/documents as per the Application Proforma.

LAST DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION - 20th JULY, 2024

APPLICATION FORMS TO BE SUBMITTED OFFLINE TO-

THE DIRECTOR OF INFORMATION AND PUBLIC RELATIONS, ASSAM

LAST GATE, DISPUR, GUWAHATI-781006.

-- Janasanyog /D/1979/24/28-Jun-24

पृष्ठ एक का शेष

हेलमेट के अलावा ...

लिए दंड को छोड़ दिया जाएगा। इसी तरह, ऑटो रिक्शा और रिक्शा को शुरुआती उल्लंघन के लिए जुर्माना नहीं देना होगा। दंड केवल बार-बार (पांच बार) अपराध करने के बाद लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग को इसके लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल जुर्माने से लगभग 6-7 करोड़ रुपए के मामूली राजस्व की वसूली हुई। इतनी छोटी राशि के लिए गरीब व्यक्तियों को निशाना बनाना ठीक नहीं है। कैबिनेट के इस फैसले से बाइक तथा ऑटो आदि छोटी गाड़ियों के चालकों ने राहत की सांस ली है।

विभाजन का दंश ...

कई परिवारों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित किया है। मैं उन परिवारों के बेहतर भविष्य की कामना करती हूं जिन्हें सीएए के तहत नागरिकता दी गई है। सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्र का पहला सेट 15 मई को दिल्ली में 14 लोगों को जारी किया गया था। इसके बाद, केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल, हरियाणा, उत्तराखंड और भारत के अन्य हिस्सों में नागरिकता प्रदान की। सीएए को दिसंबर 2019 में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से उत्पीड़ित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने के लिए अधिनियमित किया गया था, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे।

सरकार बुलेट ट्रेन...

508 किलोमीटर लंबा अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड कॉरिडोर देश का पहला ऐसा कॉरिडोर है, जिस पर बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी और सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद में सीमित ठहराव के साथ पूरी दूरी मात्र 2 घंटे 7 मिनट में तय करेगी। परियोजना का निर्माण कर रही नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सूरत और बिलिमोरा के बीच इसके पहले चरण का काम अगस्त 2026 तक पूरा होने की घोषणा की है। भारत की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए सरकार के प्रयासों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 10 साल में मेट्रो 21 शहरों तक पहुंच चुकी है। वंदे मेट्रो जैसी कई योजनाओं पर काम चल रहा है।

कांग्रेस कभी नहीं ...

लौट गए। असम प्रदेश भाजपा ने भी कांग्रेस पार्टी के इस फैसले की निंदा की है। भाजपा ने कांग्रेस पर ईमानदारी की कमी का आरोप लगाया। भाजपा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जब सैम पित्रोदा ने देश की भावनाओं के खिलाफ विवादित बयान दिया तो कांग्रेस ने तमाशा दिखाकर इससे पल्ला झाड़ लिया। भाजपा ने बयान में कहा गया कि जिस व्यक्ति ने पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी कहा था कि उसे चुनाव खत्म होते ही चुपचाप अपने पिछले पद पर बहाल कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सैम पित्रोदा ने बीते 8 मई को भारतीय प्रवासी कांग्रेस के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के भारतीयों की तुलना अन्य जातीय समूहों से करने के कारण विवाद पैदा हो गया था। उनकी टिप्पणियां, विशेष रूप से पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी और दक्षिण के लोगों को अफ्रीकियों से तुलना करने की भाजपा ने तीखी आलोचना की। इस कारण भाजपा ने उन्हें नस्लवादी और विभाजनकारी करार दिया था। व्यापक प्रतिक्रिया के बाद, कांग्रेस पार्टी ने पित्रोदा के बयानों से खुद को अलग करते हुए उन्हें अस्वीकार्य बताया था।

नागरिकों पर हमला...

ड्यूटी पर नहीं थे, ने शराब पी रखी थी और बिना किसी कारण के उन पर हमला कर दिया। पीड़ित रतुल नाथ ने बताया कि जब वे लोग हम पर हमला करने लगे, तब हम सड़क पर चल रहे थे। एक अन्य शिकायतकर्ता रीना खाखलारी ने बताया कि उन्होंने घटना देखी और उत्पीड़न को रोकने के लिए गईं, लेकिन खुद को पुलिस अधिकारी बताने वाले लोगों ने उन्हें धक्का दिया और वह जमीन पर गिर गईं। उन्होंने बताया कि वे मुझे धमकाते हुए गाली-गलौज करते रहे। घटना के बाद डीजीपी ने मंगलवार (25 जून) को कथित घटना की जांच के आदेश दिए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अगर यह सच है, तो सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अगर यह सच है, तो इस तरह की हरकतें अस्वीकार्य हैं, चाहे इसके पीछे कोई भी कारण या उकसावे की वजह क्यों न हो। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) मृणाल डेका को घटना की जांच करने और सात दिनों में जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

सीएम ने चुनाव नतीजों ...

खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, शर्मा ने असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के कैश-फॉर-जॉब घोटाले में जांच अधिकारी के बदलाव पर चर्चा की, और कहा कि विशेष अदालत ने इस बदलाव का आदेश दिया था। शर्मा ने कहा कि मैंने फैसले की जांच करने के लिए कहा है क्योंकि अदालत को आईओ पर जिम्मेदारी डालने के बजाय उन लोगों को बुलाने का अधिकार है जिन्हें वे आरोपी मानते हैं। अदालत ने हाल ही में एक नए जांच अधिकारी को आगे की जांच करने का निर्देश दिया है।

भारी बारिश के ...

लगभग 1.4 लाख लोग अब भी प्रभावित हैं। कछार में सबसे अधिक लगभग 75 हजार लोग प्रभावित हैं, वहीं करीमगंज में करीब 56500 लोग और धेमाजी में लगभग 3800 लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान आदि के कारण अब तक राज्य में 41 लोगों की जान जा चुकी है।

सीबीआई हिरासत में ...

केजरीवाल का एक और अनुरोध था। मुख्यमंत्री ने विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत को बताया कि जब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर मामले में जेल भेजा गया, तो वह अपनी जरूरत की वस्तुओं की सूची में अपनी बेल्ट का उल्लेख करना भूल गए। केजरीवाल ने बताया कि चूंकि उनकी बेल्ट ले ली गई थी, इसलिए उन्हें तिहाड़ जेल जाते समय अपनी पैंट पकड़नी पड़ी, जो उन्हें *शर्मनाक* लगा। अदालत ने केजरीवाल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। 29 जून को शाम 7 बजे तक केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया जाएगा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल को बुधवार को सीबीआई ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया।

आपातकाल का जिक्र ...

कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल जी ने इस मुद्दे के बारे में अध्यक्ष को जानकारी दी और कहा कि इसे अध्यक्ष के संदर्भ से टाला जा सकता था। यह स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक संदर्भ है, इसे टाला जा सकता था। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने के तुरंत बाद, बिरला ने बुधवार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताते हुए आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़कर खलबली मचा दी थी, जिसके बाद सदन में कांग्रेस सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध किया था। बिरला ने कहा कि 26 जून 1975 को देश को आपातकाल की क्रूर वास्तविकताओं का एहसास हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था, मीडिया पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता का पदभार संभालने के बाद यह राहुल गांधी की लोकसभा अध्यक्ष से पहली मुलाकात है। उनके साथ सपा के धर्मेंद्र यादव, द्रमुक की कनिमोझी, शिवसेना (सपा) की सुप्रिया सुले और टीएमसी के कल्याण बनर्जी के अलावा कुछ अन्य नेता भी थे।

बीएसएफ के जवान...

पर तैनात बीएसएफ के 100 बटालियन के एक सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल पर जंगली हाथियों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में एसआई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल घायल हो गया जिसे उसे इलाज के लिए तुरा भेजा गया। बीएसएफ की 100वीं बटालियन के एसआई राजबीर सिंह मेघालय के गारो हिल्स सेक्टर में तैनात थे। अधिकारी ने बताया कि दालू क्षेत्र में सिंह ड्यूटी पर थे, तभी जंगल से हाथियों का एक झुंड निकलकर उन पर एकदम से टूट पड़ा। उन्होंने बताया कि सिंह ने भागने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उनमें से एक हाथी ने उन्हें कुचलकर मार डाला। पुलिस ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके घर हरियाणा ले जाया जा रहा है। हालांकि बीएसएफ मेघालय फ्रंटियर ने इस मामले में अभी तक कोई भी जानकारी नहीं जारी की है। हाल ही में केरल में जंगली हाथियों के जंगल में शूटिंग कर रहे कैमरामैन को मार डाला था। शख्स पलक्कड़ के कोट्टेकड़ में जंगली हाथियों के दृश्यों की शूटिंग कर रहा था, तभी अचानक एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया। भागने की कोशिश के दौरान वह गिर गया और हाथी ने उसे कुचलकर घायल कर दिया। शख्स को तुरंत पलक्कड़ जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

शताब्दी वर्ष में ...

का लक्ष्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वसुधैव कुटुम्बकम के दिव्य ध्येय को साकार करने के लिए काम करेगा। इसकी पूर्ति के लिए संघ कार्यकर्ता अपने घर, आसपास के दस पांच परिवारों के साथ प्रेम आदव व विश्वास स्थापित करने का प्रयास करेंगे। आज हमारी परिवार व्यवस्था बिखरती हुई दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार एकल परिवारों में परिवर्तित होने लगे हैं। सपरिवार सामूहिक भोजन, भजन, उत्सवों का आयोजन व तीर्थाटन, मातृभाषा का उपयोग, स्वदेशी का आग्रह, पारिवारिक व सामाजिक परंपराओं के संवर्धन व संरक्षण हो इसके लिए कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि काम कर रही है। संघ ने इस बार पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अधिक प्रभावी रूप से कार्य करने का निर्णय लिया है। आज विश्व के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण विकट समस्या के रूप में उपस्थित है। संघ पर्यावरण संरक्षण हेतु देशभर में गतिविधियों के माध्यम से कार्य करेगा। इसमें जलसंवर्धन, पौधरोपण और प्लॉस्टिक-थर्मोकोल मुक्त पर्यावरण के प्रयास में समाज को साथ लेकर कार्य करेगा। वैसे तो संघ के स्वयंसेवक अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में शामिल हैं और समाज में जागृति भी आ रही है,लेकिन अब संघ संगठित व योजनाबद्ध रूप से कार्य करेगा। स्वदेशी का विषय वैसे संघ के लिए पुराना है। पहले भी संघ ने स्वदेशी को लेकर देशभर में अभियान चलाया है। शताब्दी वर्ष के लिए भी संगठन ने पंच परिवर्तन में स्वदेशी के विषय को शामिल किया है। यदि भारत के नागरिक अपने कर्तव्यों का ध्यान रख लें तो भारत की बराबरी कोई नहीं कर सकता। नागरिक कर्तव्य के तहत जो जिस पद पर है, जिस दायित्व पर है, उसका निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक करे। यही नागरिक कर्तव्य का उद्देश्य है।

आडवाणी को अस्पताल...

यूरोलॉजी विभाग के चिकित्सक उनका इलाज कर रहे हैं। बताया गया है कि पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी को उम्रजनित परेशानियों की वजह से एम्स में भर्ती कराना पड़ा है। वो लगभग एक दशक से सक्रिय राजनीति से दूर हैं। हाल ही में उनकी और प्रधानमंत्री मोदी की एक तस्वीर सामने आई थी। मौका था- एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी उनसे मिलने उनके घर गए थे और उनका आशीर्वाद लिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में 96 वर्षीय आडवाणी को उनके आवास पर औपचारिक समारोह में भारत रत्न प्रदान किया था। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और लालकृष्ण आडवाणी के परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। पाकिस्तान के कराची में आठ नवंबर, 1927 को जन्मे आडवाणी 1998 से 2004 के बीच भाजपा नीत राजग सरकार में गृहमंत्री रह चुके हैं। वो 2002 से 2004 के बीच स्मृति शेष अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में देश के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं।

चुनाव परिणाम ने ...

90 वर्षीय अर्थशास्त्री सेन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हम हमेशा हर चुनाव के बाद एक बदलाव देखने की उम्मीद करते हैं। पहले जो कुछ हुआ जैसे बिना मुकदमा चलाए लोगों को जेल में डालना और अमीर तथा गरीब के बीच की खाई गहरी करना। वह अब भी जारी है। इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से खुले विचार रखने की जरूरत है खासतौर से जब भारत एक धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ एक धर्मनिरपेक्ष देश है। सेन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार उचित है।

डिमापुर नगर परिषद चुनाव : पुनर्मतदान आज

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड के प्रदेश चुनाव आयुक्त ने डिमापुर नगर परिषद के वार्ड नंबर 20 के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 4 पर 26 जून को हुए मतदान को रद्द कर दिया है। नगालैंड नगरपालिका अधिनियम, 2023 और नगालैंड नगरपालिका चुनाव नियम, 2023 के प्रावधानों के अनुसार 28 जून को फिर से मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। यह निर्णय नगर परिषद के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। सर्किट हाउस इलाका, उरा विला और इमकोंगलेन्डन कॉलोनी आदि को कवर करने वाले मतदान केंद्र संख्या 4 पर पुनर्मतदान सुबह 7.30 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। चुनाव आयोग ने अधिकारियों, राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को 28 जून को पुनर्निर्धारित मतदान के बारे में सूचना दे दी है।

एनआईए कोर्ट ने दो बांग्लादेशी आतंकी साजिशकर्ताओं को सुनाई सजा

एजल (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित बांग्लादेशी आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम के दो आतंकियों को भारत में आतंकी हमले करने की साजिश रचने के आरोप में दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। इनमें बांग्लादेशी नागरिक महमूद हसन उर्फ शरीफुल हसन और मोहम्मद सईद हुसैन उर्फ मोहम्मद साद हुसैन उर्फ सोहन मोल्ला उर्फ शिहाब हुसैन के नाम शामिल हैं। मिजोरम की राजधानी आइजोल स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने आईपीसी, विदेशी अधिनियम आदि के कई प्रावधानों के तहत दोषी करार देते हुए दोनों को पांच-पांच साल कैद और 10-10 हजार रुपए या एक महीने अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। ये लोग अवैध रूप से भारत में घुसे थे और आधार कार्ड

जैसे फर्जी भारतीय पहचान संबंधी दस्तावेजों के जरिए भारत के विभिन्न स्थानों पर रहे। एनआईए को सितंबर 2019 में यह मामला सौंपा गया। एनआईए द्वारा जांच के बाद 23 जनवरी 2020 को उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। एनआईए ने इससे संबद्ध आरसी-11/2019/एनआईए-जीयूडब्ल्यू मामले की जांच की। जांच में पता चला था कि इन्होंने अंसार-अल-इस्लाम द्वारा रची गई साजिश में मदद की थी। यह स्वयं को अल-कायदा की बांग्लादेश शाखा बताती है। एनआईए ने विभिन्न डिजिटल दस्तावेजों, जिहाद को बढ़ावा देने वाले अनेक आपत्तिजनक ऑडियो और प्रेरणादायक भाषणों के साथ-साथ बम बनाने के हस्तलिखित विवरण की तस्वीरों आदि को आधार बनाकर साजिश में उनकी भूमिका का प्रमाण दिया। दोनों आतंकियों के पास से कुल 11 मोबाइल फोन और 16 सिम कार्ड जब्त किए गए थे। अब्दुल वदूद नामक व्यक्ति के जरिए साजिश में शामिल महमूद हसन अपने हैंडलर मुनीर के मार्गदर्शन में काम करता था। उसके मोबाइल फोन से बेंगलुरु के महत्वपूर्ण सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों की तस्वीरें बरामद की गईं। एनआईए की जांच के अनुसार, मोहम्मद सईद हुसैन अपने हैंडलर बशीर अहमद के निर्देश पर अक्सर इधर-उधर घूमता रहता था। वह अपनी पहचान छिपाने और पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचने के लिए अपना पेशा बदल लिया करता था।

जंगली हाथी के हमले में बीएसएफ के एसआई की मौत

पश्चिम गारो हिल्स (मेघालय) (हिंस)। पश्चिम गारो पहाड़ जिले के किल्लापारा बीओपी इलाके में हाथी के हमले में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के सन इंस्पेक्टर की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके में स्थित किल्लापारा बीओपी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के सब इंस्पेक्टर राजवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बीएसएफ अधिकारी हरियाणा का रहने वाले बताए गए हैं। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम बीएसएफ अधिकारी का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम कैबिनेट की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

नलबाड़ी (हिंस)। असम कैबिनेट की बैठक गुरुवार को नलबाड़ी जिला प्रशासन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में कैबिनेट ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा की। कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों में प्रमुख हैं- सर्व शिक्षा में 35 हजार विशेष शिक्षक पद सृजित किए जाएंगे। राज्य सरकार नलबाड़ी में चार धार्मिक स्थलों को तीन-तीन करोड़ रुपए देगी। ऐतिहासिक एमएनसी कॉलेज में विज्ञान विभाग शुरू किया जाएगा। नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। मोटरसाइकिल चालकों पर केवल हेलमेट न पहनने पर जुर्माना लगाया जाएगा। अन्यथा अन्य कारणों से जुर्माना नहीं देना होगा। तीन पहिया वाहनों पर भी कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। तीन पहिया वाहनों पर केवल तभी जुर्माना लगाया जाएगा जब वे पांच बार नियमों का उल्लंघन करेंगे। शराब पीकर गाड़ी चलाने पर जुर्माना लगाया जाएगा। नलबाड़ी में अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा। नलबाड़ी जिले के ओबीबी शिक्षकों को एकमुश्त 2 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। शिक्षकों को सितंबर तक एक लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। नलबाड़ी जिले में 19 किलोमीटर नए बांध बनाए जाएंगे। बांधों का निर्माण मरा पगलादिया और बुढ़ादिया नदियों के तट पर किया जाएगा। टिहू निर्वाचन क्षेत्र में 16 किलोमीटर बांध का निर्माण किया जाएगा। बरक्षेत्री में 3 किलोमीटर बांध का निर्माण किया जाएगा। असम सरकार की राजधानी के बाहर हुई 14वीं कैबिनेट बैठक का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने नलबाड़ी में रुद्राक्ष के पौधे लगाकर किया। बैठक में कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा, चंद्रमोहन पटवारी, रंजीत दास, केशव महंत समेत कई मंत्री शामिल हुए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

सड़क के किनारे शव बरामद हत्या की आशंका

कामरूप (हिंस/निसं)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया इलाके में सड़क के किनारे एक युवक का खून से लथपथ अवस्था में शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि रंगिया के मध्यकुची सिंघीमाड़ी इलाके में सड़क के किनारे एक युवक का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक के गले पर जख्म के गहरे निशान पाए गए हैं। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि मृतक की हत्या की गई होगी। मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाए है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मणिपुर पुलिस ने 71 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 71 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 104 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 425 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 127 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

मणिपुर भाजपा अध्यक्ष ने अमित शाह से मुलाकात की, मौजूदा हालात पर की चर्चा

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा के लिए मणिपुर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए शारदा देवी ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात में उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं से गृहमंत्री को अवगत कराया और राज्य में स्थायी समाधान और शांति लाने के लिए तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा इस दिशा

में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इसके अतिरिक्त, आईडीपी को फिर से स्थापित करने और सुचारू पुनर्वास के लिए अधिकतम् सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अमित शाह ने आश्वासन दिया कि केंद्र जमीनी स्तर पर नाजुक स्थिति से अवगत है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीजीपी ने दिया दोषी पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने तीन दिनों पहले नागरिकों पर हमले में शामिल पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया है। आज डीजीपी ने ट्वीट कर कहा कि उन पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के लिए गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर और तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक को निर्देश जारी किए गए हैं। जांच रिपोर्ट मिलने पर आगे की वैधानिक और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि असम पुलिस नागरिकों पर बल के किसी भी अनावश्यक और गैर-कानूनी प्रयोग को बर्दाश्त नहीं करेगी। एक पुलिसकर्मी के रूप में, हम सभी को उकसावे के बावजूद उच्च स्तर का संयम दिखाना होगा। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले गुवाहाटी के वशिष्ठ आश्रम क्षेत्र में वशिष्ठ थाना में कार्यरत नशे में धुत तीन पुलिस सब इंस्पेक्टरों ने मिलकर एक व्यक्ति की दोनों टांगें तोड़ दी थी। वहीं, एक और व्यक्ति का एक टांग तोड़ दिया। इसके साथ ही वहां मौजूद एक महिला के साथ भी मारपीट की थी। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने तीनों पुलिस सब इंस्पेक्टर सहित चार लोगों को तलब किया। उन लोगों से पूछताछ के बाद उन्हें दोषी मानते हुए उन चारों को लाइन हाजिर कर दिया गया। आज डीजीपी द्वारा उन सभी को निलंबित करने संबंधी दिए गए। आदेश के बाद पीड़ित व्यक्तियों ने संतोष जाहिर की है।

ड्रग्स के साथ दूध व्यापारी गिरफ्तार

होजाई (निसं)। होजाई ड्रग्स की घाटी में तब्दील हो चुका है इसमें कोई दो राय नहीं है क्योंकि होजाई पुलिस प्रशासन के निरंतर अभियान के बावजूद ड्रग्स तस्करी (नशीले पदार्थों की तस्करी) रुकने का नाम नहीं ले रही है। इसी कड़ी में आज होजाई पुलिस ने थाना प्रभारी निखिल राय एवं एस ई रंजीत बोर के नेतृत्व में एक गुप्त सूचना के आधार पर रामपुर इलाके में अभियान चलाकर एक दूध व्यापारी को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। प्राप्त सूचना के मुताबिक दूध व्यापारी की पहचान हरि भजन गुप्ता के रूप में हुई है। वह मिल्क बस्ती का रहने वाला है। आज उसके पास से 295.81 ग्राम ड्रग्स जो की पांच साबुन की डिब्बियों में रखी हुई थी। 6000 नगद और एक स्कूटी एएस 02 आर 5069 बरामद की गई है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वही आम जनमानस इस घटना के बाद से हैरान है कि कैसे एक दूध बेचने वाले के पास से ड्रग्स बरामद हुआ है।

सम्मेलन की कामरूप शाखा ने आरजी बरुवा कॉलेज में तीन ड्रिंकिंग वॉटर प्यूरिफाई मशीन लगाई

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा ने अपने जल सेवा प्रकल्प के अंतर्गत स्थानीय आर जी बरुआ कॉलेज फटाशील में तीन ड्रिंकिंग वॉटर प्यूरीफायर लगाए। यह वॉटर प्यूरीफायर कामरूप शाखा के सदस्य विनोद कुमार चौधरी, संजय अग्रवाल एवं सुशीला अग्रवाल द्वारा प्रायोजित किए गए। सर्वप्रथम कॉलेज के हॉल में कॉलेज के प्रिंसिपल प्रानजीत नाथ, वाइस प्रिंसिपल दीपक मेधी और पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश काबरा, महामंत्री

विनोद लोहिया, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल एवं कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता को मनचासीन कराया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल ने अपने संबोधन में ने इस प्रकल्प की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि मारवाड़ी समुदाय समाज के लिए हमेशा आगे रहता है। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश काबरा, महामंत्री विनोद लोहिया एवं कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने प्रिंसिपल को आश्वासन दिया की कॉलेज में किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत हो तो हम इसके लिए हमेशा तैयार हैं। कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल ने भी अपने वक्तव्य मे इस कार्यक्रम की बहुत ही सराहना की और जल दान के महत्व को समझाया। इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष संपत्त मिश्रा, कामरूप शाखा के मंत्री संजय खेतान, कोषाध्यक्ष उमाशंकर गट्टानी, सुरेश अग्रवाल, श्रीकांत बंका, संजय निमोदिया, रतन अग्रवाल, उमेश महेश्वरी एवं सहयोग कर्ताओं के पारिवारिक सदस्यों के अलावा कॉलेज के अध्यापक एवं कॉलेज के स्टाफ के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्वेच्छासेवी संस्था हरे कृष्ण मूवमेंट ने बांटी सहायता सामग्री

रंगिया (विभास)। हाल ही में हुई बाढ़ के अंतर्गत रंगिया के विभिन्न इलाकों में सौ से अधिक परिवारों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के उद्देश्य से आज अमीनगांव की स्वेच्छासेवी संस्था हरे कृष्ण मूवमेंट की ओर से सहायता सामग्री वितरित की गई। संस्था द्वारा रंगिया महकमा प्रशासन के सहयोग से बालागांव के 60 बाढ़ प्रभावित परिवारों को विभिन्न राशन सामग्री प्रदान की गई। इस मौके पर स्वेच्छासेवी संस्था हरेकृष्ण मूभमेंट की प्रशासनिक अधिकारी नबनिता बरुवा, रंगिया के महकमाधीपति देबाशीष गोस्वामी, महकमा की अतिरिक्त सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप, विधायक भवेश कलिता सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एसओपीडी फंड 2023-24 के तहत सुअर वितरण कार्यक्रम

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीआर इलाके के चिरांग जिले के बिजिनी में पशु अस्पताल में आज एसओपीडी फंड 2023 - 2024 के अंतर्गत 25 हिताधिकारियों के बीच दो-दो सुअर वितरण किया गया। इस वितरण का शुभारंभ बीटीआर के कार्यकारी सदस्य धनंजय बसुमतारी ने एसओपीडी फंड के तहत 25 हिताधिकारियों को नर मादा दो दो सुअर वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वितरण कार्यक्रम में अस्पताल के डॉक्टर रंजित शर्मा, डॉक्टर धनंजित कलिता, डॉक्टर हिमांशु शर्मा, डॉक्टर उपेंद्र एन कलिता और अनामिका मजूमदार उपस्थित थे। वितरण कार्यक्रम के बाद बीटीआर के कार्यकारी सदस्य धनंजय बसुमतरी ने कहा कि आज इस वितरण कार्यक्रम में आकर मुझे काफी अच्छा लगा है। चिरांग व बीटीआर में कुल 750 हिताधिकारियों के बीच सुअर वितरण किए गए।

टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने जीएसटी पर राज्य के मंत्रियों के साथ बातचीत की

गुवाहाटी। असम के वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग और असम के आवास एवं शहरी मामलों और सिंचाई विभाग के मंत्री श्री अशोक सिंघल ने कल कर भवन सभागार, दिसपुर, गुवाहाटी में आयोजित एक बैठक में विभिन्न व्यापार संघों से मुलाकात की और बातचीत की। यह बैठक 19 जून 2024 को असम कैबिनेट के निर्णय के अनुसार आयोजित की गई थी। इस उद्देश्य के लिए 8 जीएसटी विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई जिसमें सीए गोपाल सिंघानिया, सीए बिकास अग्रवाला, अधिवक्ता संजय कुमार सुरेका, सीए अनुप कुमार मोर, सीए रागिनी गोयल, सीए मनोज नाहटा, सीए ओमप्रकाश अग्रवाल एवं सीए आयुष सराफ शामिल थे। ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस कार्य में लगे लगभग सभी जीएसटी विशेषज्ञ टैक्स बार एसोसिएशन गुवाहाटी के सदस्य हैं। इन विशेषज्ञों ने सितंबर 2023 से जारी जीएसटी नोटिस के कारण असम के व्यापारियों और व्यवसायियों के सामने आने वाली सामान्य समस्याओं को उठाया और इन मुद्दों को हल करने के लिए आवश्यक कदमों की भी सिफारिश की। समिति ने माननीय मंत्रियों को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे उनके द्वारा अनुमोदित किया गया और रिपोर्ट को 4 भागों में विभाजित किया

गया, अर्थात बिग डेटा सॉफ्टवेयर मुद्दे, जीएसटी कानून और प्रक्रिया मुद्दे, जीएसटी पंजीकरण मुद्दे और जीएसटी परिषद को सिफारिशें जिन्हें क्रमशः सीए रागिनी गोयल, सीए आयुष सराफ, सीए गोपाल सिंघानिया और सीए बिकास अग्रवाला द्वारा बैठक में प्रस्तुत किया गया। बैठक में सीआईआई (पूर्वी क्षेत्र) के उपाध्यक्ष अभिजीत शर्मा, फाइनर के अध्यक्ष बजरंग लोहिया, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष रवि सुरेका, असम फार्मास्यूटिकल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रफुल्ल शर्मा, आईसीएआई गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष सीए सौरभ चौधरी, केमिस्ट एंड ड्रग्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नटवरलाल अग्रवाला, टैक्स बार एसोसिएशन गुवाहाटी के उपाध्यक्ष अधिवक्ता दिनेश कुमार शर्मा और मंगलदोई बनिक संस्था के किरीटी बोरा ने भी अपने मुद्दे रखे और माननीय मंत्रियों और राज्य कर के प्रधान आयुक्त पल्लव गोपाल झा को ज्ञापन सौंपा। बैठक में करीब 100 एसोसिएशन के प्रतिनिधि और एसजीएसटी विभाग के कई अधिकारी शामिल हुए। बैठक की शुरुआत प्रधान राज्य कर आयुक्त पल्लव गोपाल झा के स्वागत भाषण से हुई। अपने संबोधन में माननीय मंत्री अशोक सिंघल ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और अधिक स्थिर बनाने के लिए छोटे और मध्यम व्यापारियों और व्यवसायियों की प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में असम के व्यापारिक समुदाय के योगदान की सराहना की। जीएसटी नोटिस के कारण व्यापारियों को हो रही परेशानी को दूर करने के लिए मंत्री प्रदेश के 6 स्थानों पर ऐसी बैठकें करेंगे और जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग ने बैठक में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सभी संघों को धन्यवाद दिया और उनके सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने 8 जीएसटी विशेषज्ञों की समिति के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने इस बैठक में सभी सामान्य मुद्दों को अपनी सिफारिशों के साथ प्रस्तुत करने के लिए दिन-रात काम किया। बैठक अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त श्री रामेन बर्मन के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, टैक्स बार एसोसिएशन गुवाहाटी के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा शर्मा द्वारा बिग डेटा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके जीएसटी नोटिस के मुद्दे के कारण व्यवसायी समुदाय विशेष रूप से छोटे और मध्यम व्यापारियों की समस्याओं की जांच के लिए एक कैबिनेट समिति गठित करने के कदम की अत्यधिक सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे सभी व्यवसायियों को राहत देने के लिए असम सरकार जल्द ही कुछ फैसले लेगी और साथ ही जो मुद्दे विचार के लिए जीएसटी परिषद को भेजे जाने हैं, उन्हें भी असम सरकार द्वारा भेजा जाएगा।

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश के रिश्ते और मजबूत

एशिया में अपना दबदबा बनाने के लिए चीन लगातार प्रयासरत है। श्रीलंका से लेकर नेपाल तक को वह अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहा है। यही प्रयास पिछले कुछ समय से उसने बांग्लादेश के साथ शुरू किए हैं। लेकिन भारत की कूटनीति, विदेश नीति एवं पड़ोसी देशों के साथ आत्मीय संबंध चीन की विस्तारवादी सोच को सफल नहीं होने देते हैं। एक बार फिर भारत ने चीन के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की दो दिवसीय भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों के विश्वास को न केवल मजबूत किया है बल्कि दोनों देशों के आपसी संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर रही ताकतों को आईना भी दिखाया है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 10 समझौतों और सहमतिपत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इन समझौतों में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर भारत द्वारा तकनीकि दल भेजे जाने के प्रस्ताव पर बनी सहमति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह सहमति भारत के पड़ोसी देशों में अपना दखल बढ़ाने की चीनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तीस्ता नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच एक जटिल मुद्दा माना जाता रहा है। वर्ष 2011 में ही दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे के एक सूत्र पर सहमति बन गई थी, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के चलते उस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। इस पृष्ठभूमि में चीन ने 2020 में तीस्ता नदी के प्रबंधन और संरक्षण में दिलचस्पी दिखानी शुरू की। इससे जुड़ी भारत की चिंताओं के संदर्भ में मामले की संवेदनशीलता को सभी पक्ष समझते थे। लेकिन मुद्दे के समाधान में कोई पहलकदमी नहीं हुई। लेकिन पिछले साल दिसंबर में ढाका में चीन के राजदूत ने फिर से इस मामले को उठाया। इस बार चीन ने बांग्लादेश के सामने एक संशोधित प्रस्ताव भेजा, जिसमें लागत पहले के मुकाबले कम दिखाई गई थी। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे देशों के उदाहरणों की रोशनी में देखें तो चीन का यह रुख नया नहीं था। लेकिन बांग्लादेश के साथ भारत के करीबी रिश्तों के मद्देनजर तीस्ता जल बंटवारे को लेकर उभरी असहमति ऐसी नहीं थी कि उससे दोनों देशों के बीच संदेह और अविश्वास की गुंजाइश बनती। स्वाभाविक ही दोनों पक्षों ने समय रहते अलग-अलग स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत के जरिए अपनी इस समझ को मजबूती दे दी कि साझा हितों से जुड़े मसलों पर तीसरे पक्ष को प्रवेश करने देना ठीक नहीं। दोनों देशों की यही साझा सोच तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के मसले पर भारत के तकनीकि दल के बांग्लादेश जाने पर बनी सहमति में नजर आती है। भारत का तकनीकि दल इस सवाल पर भी विचार करेगा कि मानसून से मिलने वाले अतिरिक्त पानी के रखरखाव के लिए किसी जलाशय के निर्माण की वास्तव में जरूरत है भी या नहीं। समझा जाता है कि चीन की ओर से बांग्लादेश को यही प्रस्ताव किया गया था। लेकिन भारत की सक्रियता और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की समझदारी ने इस मामले में चीन को किनारे कर दिया है। उम्मीद है कि बांग्लादेश का नेतृत्व आगे भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच आपसी रिश्ते में विश्वास और सहयोग बना रहे, यह दोनों देशों के लिए ही बेहतर है। चीन सहायता के नाम पर बाद में किस प्रकार का बर्ताव करता है, यह समझने के लिए श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान की ओर देख लेना चाहिए।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की दो दिवसीय भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों के विश्वास को न केवल मजबूत किया है बल्कि दोनों देशों के आपसी संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर रही ताकतों को आईना भी दिखाया है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 10 समझौतों और सहमतिपत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इन समझौतों में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर भारत द्वारा तकनीकि दल भेजे जाने के प्रस्ताव पर बनी सहमति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह सहमति भारत के पड़ोसी देशों में अपना दखल बढ़ाने की चीनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तीस्ता नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच एक जटिल मुद्दा माना जाता रहा है। वर्ष 2011 में ही दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे के एक सूत्र पर सहमति बन गई थी, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के चलते उस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। इस पृष्ठभूमि में चीन ने 2020 में तीस्ता नदी के प्रबंधन और संरक्षण में दिलचस्पी दिखानी शुरू की। इससे जुड़ी भारत की चिंताओं के संदर्भ में मामले की संवेदनशीलता को सभी पक्ष समझते थे। लेकिन मुद्दे के समाधान में कोई पहलकदमी नहीं हुई। लेकिन पिछले साल दिसंबर में ढाका में चीन के राजदूत ने फिर से इस मामले को उठाया। इस बार चीन ने बांग्लादेश के सामने एक संशोधित प्रस्ताव भेजा, जिसमें लागत पहले के मुकाबले कम दिखाई गई थी। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे देशों के उदाहरणों की रोशनी में देखें तो चीन का यह रुख नया नहीं था। लेकिन बांग्लादेश के साथ भारत के करीबी रिश्तों के मद्देनजर तीस्ता जल बंटवारे को लेकर उभरी असहमति ऐसी नहीं थी कि उससे दोनों देशों के बीच संदेह और अविश्वास की गुंजाइश बनती।

चीन का हस्तक्षेप भारत और बांग्लादेश में से बहने वाली नदी तीस्ता पर दिखाई नहीं देता था

तीस्ता नदी पर चीन को भारत का करारा जवाब

प्रमोद भार्गव

अर्से से चीन बांग्लादेश की तीस्ता नदी के कायाकल्प के बहाने नदी के जल प्रबंधन का दायित्व हथियाने के प्रयास में लगा था। लेकिन बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में चीन की कोशिशों पर विराम लग गया है। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बैठक में यह सहमति बनी है कि तीस्ता नदी जल प्रबंधन पर निर्णायक वार्ता के लिए जल्दी ही भारत का एक तकनीकी दल ढाका का दौरा करेगा, जो नदी में जमीं गाद को साफ करने के साथ नदी के पुराने स्वरूप को लौटाने के लिए रोडमैप तैयार करेगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने गंगा जल बंटवारे समझौते को नए सिरे से अमल में लाने और एक समग्र कारोबारी समझौते पर भी बातचीत करने का फैसला लिया है। बैठक में दस महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये घोषणाएं दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं हैं। चीन का हस्तक्षेप भारत और बांग्लादेश में से बहने वाली नदी तीस्ता पर दिखाई नहीं देता था। किंतु कुछ समय पहले इस नदी पर एक विशाल जलाशय बनाने के बहाने चीन ने बांग्लादेश की जमीन पर बहने वाली तीस्ता नदी पर विकास कार्यों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा शेख हसीना को जताई थी। यह जानकारी बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दी थी। किंतु भारत द्वारा आपत्ति उठाए जाने पर बांग्लादेश ने जवाब दिया था कि 'चीनी राजदूत याओ वेन ने बीजिंग से ढाका को तीस्ता जल भराव क्षेत्र के विकास हेतु कई प्रस्ताव दिए हैं। इनमें तीस्ता नदी में वृहद स्तर पर सफाई करने, जलाशय और तटबंध बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं।' दरअसल तीस्ता नदी भारतीय राज्य सिक्किम व पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है। इसे सिलिगुड़ी गलियारा या चिकन नेक कहा जाता है। पश्चिम बंगाल में स्थित 28 किमी की भूमि का यह संकीर्ण क्षेत्र है। यह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता हैं। इसके इर्द-गिद नेपाल और बांग्लादेश हैं। भूटान का साम्राज्य इस गलियारे के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है। इस लिहाज से यह भारत

के लिए अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। अतएवं भारत इस क्षेत्र में किसी भी बहाने चीन का हस्तक्षेप नहीं चाहता है। इस परियोजना पर करीब 8 हजार 300 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। चीन ने इस कार्य को शत-प्रतिशत अपनी पूंजी से पूरा करने की इच्छा शेख हसीना को जताई थी। चीन को इस काम का ठेका मिलने का मतलब, इस क्षेत्र में दखल के साथ नदी के जल प्रवाह का डाटा भी हासिल हो जाता। चीन के साथ भारत के रिश्ते कटुता एवं विश्वास के बने होने के कारण भारत चीन की उपस्थिति अपनी सीमाओं के ईद-गिर्द नहीं चाहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीनी भागीदारी से इस नदी पर भारत और बांग्लादेश के बीच जल-बंटवारे को लेकर चल रहा लंबा विवाद और गहरा सकता है? हालांकि 2009 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही जल-बंटवारे पर सहमति से समझौते की बात चल रही है। दोनों पड़ोसी देश तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की 2011 में की गई बांग्लादेश की यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर के लिए लगभग तैयार थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अंतिम समय पर समझौते के विरुद्ध खड़ी हो गईं, नतीजतन तय प्रस्ताव को निलंबित कर दिया गया। भारत एवं बांग्लादेश के बीच 25 वर्षों से दोनों देशों के बीच बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर समझौते की बातचीत चल रही है। शेख हसीना और नरेंद्र मोदी की 2022 में परस्पर हुई बातचीत के बाद कुशियारा नदी के संदर्भ में अंतरिम जल बंटवारा समझौते पर हस्ताक्षर भी हो गए हैं। 1996 में गंगा नदी जल-संधि के बाद इस तरह का यह पहला समझौता है। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता माना गया है। यह भारत के असम और बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र को लाभान्वित करेगा। 54 नदियां भारत और बांग्लादेश की सीमाओं के आरपार जाती हैं और सदियों से दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य साधन बनी हुई हैं। इन नदियों के किनारों पर मानव सभ्यता के विकास के साथ सृजित हुए लोक गीत और लोक कथाएं, धर्म एवं संस्कृति की ऐसी धरोहर हैं, जो मानव समुदायों को लोक कल्याण का पाठ पढ़ाने के साथ नैतिक बल मजबूत बनायें रखने का काम करती हैं। बावजूद दोनों देशों के बीच बहने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया जा सका है। नदियों के जल-बंटवारे का विवाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद का विषय बना रहा है। ब्रह्मपुत्र को लेकर चीन से, तीस्ता का बांग्लादेश से, झेलम, सतलुज तथा सिंधु का पाकिस्तान से और कोसी को लेकर नेपाल से विरोधाभास कायम है। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में खटास सीमाई क्षेत्र में कुछ भूखंडों, मानव-बस्तियों और तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर पैदा होता रही है। हालांकि दोनों देशों के बीच संपन्न हुए भू-सीमा समझौते के जरिए इस विवाद पर तो कमोबेस विराम लग गया, लेकिन तीस्ता की उलझन बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2015 में बांग्लादेश यात्रा पर गए थे, तब ढाका में द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी, लेकिन तीस्ता की उलझन, सुलझ नहीं पाई थी। विदेश नीति में अपना लोहा मनवाने में लगे नरेंद्र मोदी से यह उम्मीद इसलिए ज्यादा है, क्योंकि शेख हसीना दोनों देशों में परस्पर दोस्ती की मजबूत गांठ बांधने के उद्देश्य से भारत आती रही हैं। यह उम्मीद इसलिए भी है, क्योंकि 2016 में मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ कुछ बस्तियों और भूक्षेत्रों की अदला-बदली में सफलता प्राप्त की थी।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में चीन की कोशिशों पर विराम लग गया है। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बैठक में यह सहमति बनी है कि तीस्ता नदी जल प्रबंधन पर निर्णायक वार्ता के लिए जल्दी ही भारत का एक तकनीकी दल ढाका का दौरा करेगा, जो नदी में जमीं गाद को साफ करने के साथ नदी के पुराने स्वरूप को लौटाने के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

दृष्टि कोण

विधवाओं की सुध लेता मानवाधिकार आयोग

हाल में अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 23 जून के पूर्व ही विधवाओं के हित में खास पहल की। अभी तक हर जगह विधवाओं की उपेक्षा की जाती रही है, लेकिन अब यह संभव नहीं होगा। अभी 12 जून को एनएचआरसी ने विधवाओं के मानवाधिकारों के संरक्षण पर परामर्श जारी किया है। विधवा महिलाओं के समग्र कल्याण पर विचार करते हुए एनएचआरसी ने अपने परामर्श में केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कार्रवाई के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों और अन्य उपायों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें उनके उचित पहचान दस्तावेज सुनिश्चित करना, आश्रयगृहों का विकास और रखरखाव, संपत्ति तक पहुंच, अपने घरों से बेदखल होने से रोकना और शोषण से सुरक्षा, कौशल विकास का प्रावधान और स्थायी आजीविका तक पहुंच, आसान बैंकिंग और वित्तीय स्वतंत्रता तक पहुंच, स्वास्थ्य देखभाल, सामथ्र्य और उपलब्धता, मानसिक स्वास्थ्य, समुदाय आधारित नेटवर्क, निराश्रित विधवाओं के मुद्दों के बारे में डेटा सहित 17वीं लोकसभा में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल द्वारा पेश विधवा (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक-2015 भी शामिल है। मानवाधिकार आयोग ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और संबंधित विभागों को भी सलाह दी है कि वे अपनी वेबसाइटों पर विधवाओं के लिए सभी सरकारी गृहों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस रखें। इसी के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर एक टीम की तैनाती की सिफारिश की गई है, जो इन आश्रमों और घरों का दौराकर स्वास्थ्य, मनोरंजन और कौशल विकास सुविधाओं सहित रहने की स्थिति की निगरानी करेगी, ताकि उन्हें रोजगार और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिल सके। परामर्श में विधवाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एकल खिडक़ी प्रणाली के माध्यम से उन तक पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। एनएचआरसी ने परामर्श जारी करने की आवश्यकता इसलिए महसूस की, क्योंकि उसने देखा कि विधवा महिलाओं को अपने पति को खोने के भावनात्मक संकट के अलावा, अक्सर कई अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें सामाजिक बहिष्कार, आय, यहां तक कि निवास का नुकसान भी शामिल है। एनएचआरसी के महासचिव भरतलाल के मुताबिक 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में विधवाओं की कुल आबादी 5.6 करोड़ है। विधवा महिलाओं को अक्सर अपने पति की मृत्यु के बाद खुद की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया जाता है। अपने परिवारों से पर्याप्त सहायता और वित्तीय स्वतंत्रता की कमी के कारण उन्हें समुदाय से अलग-थलग कर दिया जाता है, यहां तक कि उन्हें अपना घर छोडक़र आश्रय गृहों/आश्रमों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। निरक्षरता और बढ़ती उम्र के कारण उनकी स्थिति और भी खराब हो जाती है। परामर्श के मुताबिक प्रत्येक जिले में एक विधवा प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा जो विधवाओं की योजनाओं के लिए एकल खिडक़ी के रूप में काम कर सके। सभी आश्रयगृहों का विधवा प्रकोष्ठ में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि इनमें क्षमता से अधिक भीड़ न हो। आवंटित सार्वजनिक और निजी आश्रयगृहों में और उसके आसपास रहने वाली सभी विधवाओं के आधार कार्ड बनाए जाने चाहिए, ताकि उन्हें विभिन्न योजनाओं के लाभ सुनिश्चित किए जा सकें। विधवाओं को उचित पहचानपत्र उपलब्ध कराना, ताकि वे योजनाओं का लाभ उठा सकें तथा विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र के अभाव में उन्हें इनसे वंचित न किया जाए। कानूनी सहायता प्रदान करके उनके अधिकार के बारे में उनमें जागरूकता पैदा करके संपत्ति के उत्तराधिकार के उनके कानूनी अधिकार के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना, उन्हें न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) जैसे शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित करने का प्रयास करें, ताकि उन्हें वित्तीय साक्षरता सहित कम से कम बुनियादी साक्षरता दी जा सके। आश्रय गृह और आश्रम विधवाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। विधवाओं में स्वरोजगार और उद्यमशीलता की खातिर स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रोत्साहित करना, संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना कि सभी विधवाओं के पास प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत बैंक खाता हो, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और देखभाल की आवश्यकता वाली विधवाओं के लिए विशेष देखभाल की व्यवस्था की जानी चाहिए और उनके सुधार को सक्षम बनाया जाना चाहिए। आंगनवाड़ी, अनाथालयों और प्राथमिक विद्यालयों में विधवाओं के ज्ञान और अनुभवों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, ताकि उन्हें उद्देश्य की भावना मिल सके और बच्चों के कौशल में वृद्धि हो सके। पुनर्विवाह या जीवनसाथी खोजने की इच्छुक विधवाओं को उपयुक्त एजेंसियों से जोड़ा जाना चाहिए। विवाह या संबंध विफल होने या पति या पत्नी की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधवा को बिना किसी नई औपचारिकता के आश्रयगृह में लौटने का विकल्प होना चाहिए। राज्य सरकार विधवा पुनर्विवाह के लिए मौजूदा योजनाओं के तहत विवाह के लिए उपयुक्त धनराशि भी उपलब्ध करा सकती है।

कुछ अलग

इंद्र को ज्ञापन...

हे देवराज! हम तमाम शहरों के आम जन पहली बार अपनी अपनी जात, धर्म को भुला आपको साझा ज्ञापन भेज रहे हैं। हमें आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि इस पर यथाशीघ्र एक्शन लिया जाएगा। माना हे सुरपति! जबसे ये देश आजाद हुआ है, तबसे जनता को कोई और बीमारी लगी हो या न, हर दिन किसी न किसी मंत्री को, किसी न किसी विभाग को ज्ञापन देने की लाइलाज बीमारी जरूर लगी है। पर हम इस बीमारी के बिना अब जी भी तो नहीं सकते हैं न? तुम ही बताओ, हमें यह ज्ञापन देने की बीमारी लगाई किसने? हे पुरंदर! तुम तो जानते ही हो कि हमारे अधिकार क्षेत्र में ज्ञापन और वोट देने के अतिरिक्त तीसरा और कुछ आता नहीं। इसलिए पहले उनके सब्जबागों में लेटकर चांद-तारों के सपने देखते उनको वोट देते हैं और फिर अगले चुनाव तक उनको ज्ञापन पर ज्ञापन। जब किसी विभाग को ज्ञापन लिखते हैं, तो लगता है, हमारे भी हाथ हैं। तब ज्ञापनों के मारे कभी हम पीडब्ल्यूडी विभाग को अपने मोहल्ले की सडक़ के गड्ढे भरने को ज्ञापन देते हैं तो कभी बिजली विभाग को। पर मजे की बात! न हमारे मोहल्ले की सडक़ के कभी गड्ढे भरते हैं और न कभी बिजली विभाग के सड़े खंभे। बस, अफसर बदलते रहते हैं। इसलिए सरकारी विभागों को हमारे ज्ञापन देने की परंपरा को देख ये समझिए कि हम सरकार को हर रोज ज्ञापन देकर अपना ज्ञापन धर्म निभा रहे हैं। हे अमरपति! उनको ज्ञापन देते-देते हम बहुत थक गए हैं। इस ज्ञापन के माध्यम से अब हम चाहते हैं कि अब तुम हमें पानी दो। अब तक सबके सामने बहुत पानी-पानी हो लिए। अब तो धूप में हमारा तन तो छोड़िए, मन भी दहक उठा है। शहर में सेलों से अधिक पानी के लिए हाहाकार मची है। आम जन पानी की खाली बाल्टियां लेकर कभी इस चौक भाग रहे हैं तो कभी उस चौक। उन्हें जहां से भी पता चलता है कि वहां सरकार का पानी का टैंकर आया है, वे उसी ओर बाल्टियां लिए हवा हो रहे हैं। पर हाय रे उनकी किस्मत! जितने को वे वहां पहुंचते हैं, उतने को सरकारी पानी का टैंकर बिक चुका होता है। और फिर वे खाली बाल्टियां लिए मुंह लटकाए और जगह से पानी के टैंकर आने की सूचना का व्हाट्सैप पर बदहवासी में इंतजार करने लग जाते हैं। हे देवेंद्र! ऐसा नहीं कि हमारे शहर में पानी नहीं आ रहा। शहर के अफसरों के नलों के मुंहों से ही पानी आ रहा है बस। वे दिन में चार चार बार नहा रहे हैं। अपनी क्यारियों के फूलों पर सावन की फुहार बरसा रहे हैं। काश! इस देश की हर जीव अफसर होता तो आज बूंद बूंद पानी को आंखों से बिन पानी बहे न रोता। सच कहें देवेश! महीनों हो गए जनता को नलों के मुंह से पानी की धार देखे बिना। जब कहीं जल नहीं तो ये नल क्यों? हे मेघराज! सच कह रहे हैं। हम महीने से नहाए नहीं हैं। दस दिनों से अपने चूल्हे पर का खाए नहीं हैं। ऐसे में कहीं कल को ऐसा न हो हमें अपने चूल्हे पर बनाने नहाने की आदत ही न रहे। अगर ऐसा हुआ तो हम दावे से कह रहे हैं, इसके लिए हम नहीं, केवल और केवल तुम जिम्मेदार रहोगे। तब हमारे बदन पर जो मैल जमा होगा, वह हमारे बदन पर नहीं, तुम्हारे बदन पर जमा होगा रे पुरंदर! हे सुरराज! सुराज में ऐसा नहीं कि कागजों में सरकार ने जनता को पानी की व्यवस्था न की हो। कागजों में तो ये देश बहुत आगे चल रहा है। सरकार ने कागजों में जिन पानी के टैंकरों के माध्यम से जनता को नहलाने की व्यवस्था की है, उन पर जल माफिया ने कब्जा कर लिया है। उनके टैंकरों के मुंह जनता के मोहल्लों के बदले कहीं और खुल रहे हैं। हे देवेश! आम जन बारिश के लिए जितने टोटके कर सकता था, करके हार गया। मेरे दोस्त ने पिछले हफ्ते बताया कि तुम प्रेमिका के बदले उसके सपने में आए और तुमने कहा कि गधे-गधी की शादी करो, वर्षा हो जाएगी। हमने तत्काल बंदों के विवाह रोक गधे-गधी की शादी बड़ी धूमधाम से करवाई।

देश दुनीया से

बलदेव सिंह कविता को आत्मा की अनुगूंज मानते थे

व्यस्तता भरे आज के युग में कविता को गर्मी की ऋतु में आई फुहार के रूप में लिया जाता है, जो अचानक आ जाती है और संतप्त भावनाओं को शांत कर जाती है। फुहार और कविता का सादृश्य वस्तुतः सृजन प्रक्रिया को रेखांकित करने के लिए उपयुक्त लगा। और आज की अधिकांश कविता तो पतझड़ के पत्तों सी झड़ती लगती है। उसमें कोई ज्यादा गहराई या प्रयत्न दृष्टिगत नहीं होता, जबकि परिपाटी को यदि देखें तो ऐसी कविता ही जीवित रह पाई है जिसमें कुछ विचार, कुछ चिंतन निहित रहता है। ठाकुर बलदेव सिंह कविता को आत्मा की अनुगूंज मानते थे। उनका मानना था कि अल्लम गल्लम लिखने से न लिखना बेहतर है। उन्होंने बहुत ज्यादा नहीं लिखा, लेकिन जो लिखा, वह माणिक मोती की तरह चमकता हुआ है। केवल तीन पुस्तकें रचीं, अर्थात कचोटती कसक, हवा दक्खणी तथा इस ओर उस पार, दो काव्य संग्रह हिंदी में और एक कांगड़ी में। छिटपुट रचनाओं में एक बेहतरीन कहानी 'फिर मत कहना मैं वह बात बता दूंगी' और एक एकांकी। इसके अतिरिक्त कुछ लेख और अनुसंधान पत्र। उनकी कविताओं के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि कविता व्यक्तित्व का ही एक अंग होती है। अनुभवों की पोटली में से निकला कुछ अद्वितीय, जो लेखक को तो आनन्दित करता ही है, परन्तु पाठक को भी गुदगुदाता है। उसमें कवि का दार्शनिक अन्दाज भी हो सकता है या संवादात्मक उद्बोधन भी। बलदेव सिंह की कविताओं में दिनचर्या की बारीकियां पंक्तियों में झांकती मिलती हैं। ठाकुर बलदेव सिंह ने मन ही मन चुस्कियां लेकर कविताएं लिखी हैं और वह प्रायः कहते भी थे कि कविता यदि झकझोरती नहीं तो फुसफुसी कही जाएगी। हिमाचल में मैं यदि उनकी कविताओं को तुलनात्मक दृष्टि से देखता हूं, तो लगता है कि उनकी कविताएं गंगथ के अनसंग कवि रामस्वरूप शर्मा से काफी मेल खाती हैं। उनमें प्रखरता है, संकेतों का अथाह सागर है, रामकृष्ण कौशल की सरलता एवं तरलता है। घटाटोप बिम्बों या प्रतीकों की भरमार नहीं, जैसी प्रायः श्रीनिवास श्रीकांत की कविताओं में होती थी, या जैसे लटके झटके कुमार कृष्ण या अजेय या गणेश गनी की कविताओं में मिलते हैं। कुलराजीव पंत की सी कोमलता भी बलदेव सिंह की रचनाओं में विद्यमान है। और उन्होंने सही ही कहा है कि कविता तो आत्मा की अनुगूंज होती है, जैसे आत्मा-परमात्मा का मिलन होता है, वैसे ही पाठक और रचना का संवाद होता है। 'इस ओर उस पार' उनका अंतिम कविता संग्रह था, जिसमें परम पिता परमात्मा के प्रति उनकी लगन स्पष्ट झलकती है। ठाकुर साहिब केवल एक कुशल कवि ही नहीं थे, वह एक नेक, ईमानदार इनसान, कुशल अध्यापक, शालीनता से लबरेज सामाजिक प्राणी भी थे। बहुभाषाविद थे। उन्हें बीबी हरप्रकाश कालेज आफ एजुकेशन से ढूंढ कर लाने का श्रेय पालमपुर के बुटेल बंधुओं को जाता है। कन्हैया लाल बुटेल कन्या महाविद्यालय पालमपुर को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने का बड़ा श्रेय भी ठाकुर साहिब को जाता है। निष्ठा और प्राणपण से किसी शिक्षा संस्थान को सींचना महती कार्य तो है ही, पुण्य का कार्य भी है। बहुत सी छात्राएं दूर पार जाने में कतराती थीं, तो उन्होंने एमए हिन्दी तथा अंग्रेजी की प्राइवेट कक्षाएं शुरू करके हजारों बच्चियों को उच्च शिक्षा ग्रहण के योग्य बनाया। भवन निर्माण में रुचि लेकर विशालकाय भवन तैयार करवाए और आज यह क्षेत्र का अग्रणी कन्या महाविद्यालय है तथा अनेक कोर्सिज यहां चल रहे हैं। रचना साहित्य एवं कला मंच, पालमपुर की स्थापना में भी बलदेव सिंह ठाकुर जी ने डा. गुरमुख सिंह बेदी, डा. डीसी चम्बयाल, डा. जिया लाल हण्डू, सरोज परमार, शेष अवस्थी, डा. शमी शर्मा, सागर पालमपुरी आदि अनेक नए-पुराने लेखकों के साथ मिलकर इस यज्ञ को पूरा किया। यह बात सन्-70-72 की है। तभी धीरे-धीरे रचना त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन का भी क्रम शुरू हुआ। पत्रिका आज भी छप रही है और इसके विशेषांक समय-समय पर चर्चित होते रहे हैं। रचना साहित्य एवं कला मंच आम तौर पर लेखकों को औपचारिक रूप से सम्मानित नहीं करता, परन्तु मात्र ठाकुर बलदेव सिंह ऐसी विभूति थे, जिन्हें मंच ने विधिवत सम्मानित किया था। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक विशेषांक भी निकाला था। ठाकुर साहिब का जन्म मई 1929 में सलाह के एक गांव कक्ड़ैं में हुआ था। पिता हकीम थे। बलदेव सिंह ने तीन-तीन विषयों में स्नातकोत्तर उपाधियां अर्जित कीं और शिक्षा के प्रसार में आजीवन लगे रहे। कभी रुके नहीं, कभी थके नहीं। भरे पूरे परिवार का सुख उन्हें अंत तक मिला। सताईस जून 2004 को उन्होंने जलोदर से पीड़ित होने पर इस नश्वर दुनिया से विदा ली। समाज एवं साहित्य जगत उन्हें सदा याद रखेगा। महान विभूति को शत्-शत्नमन। वह शारीरिक रूप से अब जिंदा नहीं हैं, लेकिन साहित्य में हमेशा जिंदा रहेंगे।

बलदेव सिंह की कविताओं में दिनचर्या की बारीकियां पंक्तियों में झांकती मिलती हैं। ठाकुर बलदेव सिंह ने मन ही मन चुस्कियां लेकर कविताएं लिखी हैं और वह प्रायः कहते भी थे कि कविता यदि झकझोरती नहीं तो फुसफुसी कही जाएगी। हिमाचल में मैं यदि उनकी कविताओं को तुलनात्मक दृष्टि से देखता हूं, तो लगता है कि उनकी कविताएं गंगथ के अनसंग कवि रामस्वरूप शर्मा से काफी मेल खाती हैं। उनमें प्रखरता है, संकेतों का अथाह सागर है, रामकृष्ण कौशल की सरलता एवं तरलता है।

आप का नजरीया

हिमाचल की आर्थिक अर्जियां

केंद्रीय बजट की तैयारियों में हिमाचल की अपेक्षाएं, अर्जियां और पर्वतीय आत्मनिर्भरता की अस्मिता दस्तक दे रही है। दिल्ली पहुंचे राज्य के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन की फाइल और प्रदेश में आए 16वें वित्तायोग के सामने की गई अरदास अगर स्वीकार हो जाए तो पर्वतीय आकांक्षाओं का सवेरा हो जाएगा, वरना वित्तीय व्यवस्था का वर्तमान एक अति महंगा सफर है। केंद्रीय बजट से करीब दस हजार करोड़ की अपेक्षाएं अपनी मंशा प्रकट करती हैं, तो सामने आता है एक हरा-भरा प्रदेश जिसे इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए नाबार्ड से फंडिंग चाहिए। प्रदेश भानुपल्ली से निकली रेल लाइन को बिलासपुर से आगे लेह तक पहुंचाने के संकल्प के लिए इसे राष्ट्रीय योजना का आकार व प्रारूप ही तो मांग रहा है। पर्वतीय राज्यों के वित्तीय पन्नों पर केंद्र के हस्ताक्षर अगर खूबसूरती से हो जाएं, तो पहाड़ की तकदीर का रास्ता निकल आएगा, वरना राष्ट्रीय मानदंडों के आधार पर ज्यादतियां ही जारी रहेंगी। हिमाचल सरकार केंद्र से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के लिए 3500 करोड़ की एकमुश्त सहायता चाहती है ताकि पर्यटन आर्थिकी के मील पत्थर स्थापित किए जा सकें। यह आत्मनिर्भरता के खाते में केंद्र से दरख्वास्त है। जाहिर तौर पर हिमाचल में कनेक्टिविटी के हर स्तर पर केंद्रीय सहायता की अहम भूमिका रही है। वर्तमान दौर में चल रही फोरलेन परियोजनाओं में विस्तार के अलावा रेलवे मार्गों तथा हवाई अड्डों के निर्माण एवं विस्तार की दिशा में त्वरित फंडिंग की जरूरत है। यहां केंद्र में हिमाचल का प्रतिनिधित्व कर रहे तमाम सांसद एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की भूमिका से प्रदेश का यह पक्ष उदास नहीं हो सकता। प्रदेश ने इस बार भी मोदी सरकार में अपना सौ फीसदी योगदान दिया है और अटल बिहारी वाजपेयी के बाद देश के दूसरे ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते आए हैं। ये सारी योजनाएं केंद्रीय बजट आबंटन की प्राथमिकताओं में लगातार समाहित रहती हैं। दूसरी ओर सोलहवें वित्तायोग की परवरिश में प्रदेश की आर्थिक स्थिति का विवेचन अगर तर्कपूर्ण समाधान को पाल पोस दे, तो तकदीर के कई बंद ताले खुल जाएंगे, लेकिन यह वित्तीय अनुशासन से सियासी खिलवाड़ तक के सवालों से गुत्थम-गुत्था हालात हैं। अब केंद्र के कायदे डबल इंजन के मायनों में अनूदित होते हैं। किसी न किसी बहाने पर्वतीय राज्यों को मिले आर्थिक समर्थन को कमतर किया जा रहा है। पहले ही राजस्व घाटा अनुदान घटा दिया गया है, जबकि विकास के कई मानदंड पूर्व की वचनबद्धता से घटा दिए गए हैं। मसलन स्मार्ट सिटी परियोजना की फंडिंग में राज्य की हिस्सेदारी को नब्बे : दस प्रतिशत के अनुपात से बढ़ाकर पच्चास : पच्चास की दर में पहुंचा दिया। इतना ही नहीं, पिछले वर्ष की आपदा राहत की अर्जियां आज तक अपना बंजरपन नहीं तोड़ पाईं, ऐसे में सोलहवें वित्तायोग के सामने हिमाचल का पक्ष उसके अधिकारों, पर्वतीय परिवेश, शांतिप्रिय राज्य और राष्ट्रीय भूमिका के साथ जुड़ता है। पर्वत की चोटियां कभी अपने लिए नहीं पिघलीं, लेकिन यहां की मिट्टी ने देश की हर सौगंध पूरी की। पूरे उत्तर भारत की धरती के नीचे हिमाचल में बड़े बांधों की कर्मठता छुपी है।

संगरूर से सांसद बने पंजाब के कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर का इस्तीफा मंजूर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने सांसद बने गुरमीत सिंह मीत हेयर का बरनाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा मंजूर कर लिया है। वह संगरूर से आम आदमी पार्टी के सांसद चुने गए हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में पूर्व निर्दलीय सांसद और खालिस्तान समर्थक सिमरनजीत सिंह मान को हराकर जीत हासिल की है। बरनाला विधानसभा क्षेत्र की सीट खाली होने के बाद चुनाव आयोग जल्द ही इस सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। संगरूर ही नहीं, गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक से विधायक सुखजिंदर रंधावा, गिद्दड़बाहा से अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और होशियारपुर से डॉ. राज कुमार चब्बेवाल के संसद में पहुंचने के बाद यहां भी उपचुनाव होने हैं। जालंधर बरनाला विधानसभा क्षेत्र से शीतल अंगुराल के इस्तीफे के बाद अगले महीने उप चुनाव हो रहे हैं। मीत हेयर के केंद्र में जाने के बाद अब मान सरकार में मंत्री का एक पद रिक्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार जालंधर उपचुनाव के बाद ही इस पद को भरा जाएगा।

किसानों और व्यापारियों का पलायन रोकने के लिए मुख्यमंत्री से गुहार

जोधपुर (हिंस)। देश के अन्य राज्यों की तरह टैक्स में छूट नहीं दिए जाने के कारण राजस्थान का ग्वार गम उद्योग दम तोडने लगा है। किसान पलायन करके अपना माल पड़ोसी राज्यों में बेचने लगे हैं फैक्ट्रियां बंद होने लगी है। ऐसे में गवार गम व्यापारियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से 10 जुलाई को पेश किए जाने वाले बजट में गवार गम उद्योग पर लगाए गए टैक्स समाप्त करने का आग्रह किया है। राजस्थान ग्वार गम मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सचिव श्रेयांश मेहता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल लाल शर्मा को पत्र लिखकर ग्वार गम व्यापारियों ने अवगत कराया है कि राजस्थान के पड़ोसी राज्यों-हरियाणा, दिल्ली, पंजाब व गुजरात में कृषि आधारित एवं खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों को कृषि मंडी टेक्स में छूट प्रदत्त है उदाहरण के तौर पर हमारे पड़ोसी राज्य हरियाणा में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को प्रोत्साहन देने के लिए हाल ही में नीति घोषित करते हुए सम्पूर्ण रूप से मंडी

टेक्स में कच्चे माल हेतु शत-प्रतिशत छूट प्राप्त है। वहीं अन्य पड़ोसी राज्यों में भी अधिकतम कृषि मंडी टेक्स 0.5 प्रतिशत है। राजस्थान प्रदेश में प्रचुर मात्रा में उत्पादित होने वाला ग्वार का प्रसंस्करण राज्य के पड़ोसी राज्यों जहां पर कृषि मंडी टेक्स में छूट है। राज्य के मौजूदा ग्वार गम आधारित उद्योग बंद होने की कगार पर है। राज्य में ग्वार गम व ग्वार गम आधारित उत्पादों ने देश में अपना अग्रणी स्थान बनाया है और कृषि व ग्रामीण उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं ग्वार गम आधारित रोजगार सृजित करने के लिए अन्य राज्यों की भांति ग्वार कृषि जिन्सों को कर मुक्त करने की जरूरत बताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग रखी कि राज्य में ग्वार गम उद्योग को मंडी टेक्स में शत-प्रतिशत की छूट प्रदान की जानी चाहिए जिससे राज्य के ग्वार गम आधारित उत्पाद अन्य राज्यों के ग्वार गम व ग्वार गम आधारित उद्योगों से प्रतिस्पर्धा कर सकेगे व प्रदेश में ग्वार गम व ग्वार गम आधारित उद्योगों में त्वरित वृद्धि होगी व नए निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा व ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। सचिव मेहता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया कि,राजस्थान सरकार के जीएसटी राजस्व में भी वृद्धि होगी अगर कच्चा माल प्रदेश में प्रोसेस होगा ग्वार गम व ग्वार गम आधारित उद्योगों पर 5 प्रतिशत- 18 प्रतिशत तक जीएसटी दरे लागू हैं। राजस्थान राज्य में ग्वार/ ग्वार गम व ग्वार गम आधारित उद्योग चौपट हो रहा है व राज्य के मौजूदा ग्वार / ग्वार गम आधारित उद्योग बंद होने की कगार पर है जिससे लाखों व्यापारी, किसान भाइयों को आर्थिक, मानसिक, शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। वर्तमान में ग्वार प्रोसेसिंग के लिए राज्य के बाहर जाता है तो इससे कृषिमंडी टैक्स की आमदनी एवम राजस्थान राज्य को जीएसटी राजस्व की बहुत बड़ी हानि भी हो रही है। यही कच्चा माल अगर प्रदेश में प्रोसेस होगा तो राजस्थान सरकार के जीएसटी राजस्व में भी वृद्धि होगी। ग्वार गम उद्योग को प्रोत्साहित करने एवं कृषि आधारित रोजगार सृजित करने हेतु अन्य राज्यों की भांति ग्वार को कर मुक्त एवं पुराने उद्योगिक इकाइयों को नये उद्योगिक के समानांतर छूट कर बड़ी राहत प्रदान करने की अनुकंपा करावें।

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दिल्ली कूच

हिसार (हिंस)। नीट परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में और छात्रों को न्याय दिलाने के लिए युवा कांग्रेस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता संसद को घेरने के लिए गुरुवार को दिल्ली की ओर रवाना हुए। इस मौके पर युवा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कांग्रेस के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पार्षद कृष्ण सातरोड के नेतृत्व में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता आज दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली रवानगी से पहले कृष्ण सातरोड ने कहा कि पेपर लीक के मामले में भाजपा सरकार ने एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। नीट जैसी अहम परीक्षा में इस प्रकार की धांधली होना सरकार की परीक्षा प्रणाली पर बड़े सवाल खड़ा करती है। इससे न केवल परीक्षा लेने वाली संस्थाओं की साख गिरती है, बल्कि उन बच्चों के लिए भी बेहद दुविधा व तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जो कई-कई साल मेहनत कर परीक्षा देते हैं और फिर उनके साथ इस तरह का छलावा होता है। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने के लिए युवा कांग्रेस कंधे से कंधा मिलाकर छात्रों के साथ खड़ी है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की पिटाई विधायक ने भाजपाईयों पर लगाए आरोप

सिरसा (हिंस)। गौरीवाला में पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता पर हथियारबंद लोगों ने अचानक हमला कर दिया। हमलावर हथियारों से लैस थे। जिनमें से कुछ ने मुंह ढाप रखे थे। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। गुरुवार को घायल युवक को उपचार के लिए सिरसा के सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बताया जा रहा है कि हमलावर भाजपा के कार्यकर्ता है। जानकारी के अनुसार घायल सौरव रतिवाल तथा गांव के ही रवि देवर्थ के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। सौरभ उनके घर आया था ताकि मामला पंचायत में मामला निपट जाए। उसने रवि देवर्थ को कॉल करके पंचायत में बुलाया था, लेकिन वहां नहीं आया। घायल ने बताया कि वह वाला पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर स्थित एक दुकान में खड़ा था। इसी दौरान रवि देवर्थ तथा अन्य ने दुकान में घुसकर उसे पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे लाठी डंडों से पूरी तरह से घायल कर दिया गया। बाद में आरोपित मौके पर फरार हो गए। इसके बाद उसे उपचार के लिए गोरीवाला पीएचसी में भेजा गया। वहां से उसे चौटाला रेफर कर दिया गया। चौटाला से डबवाली फिर सिरसा रेफर कर दिया गया। सौरव के कई जगह पर फ्रैक्चर आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद डबवाली के कांग्रेस विधायक अमित सिहाग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि गांव गोरीवाला में कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ हुई मारपीट की वो निंदा करते है। वहीं उन्होंने लिखा कि यह चरम रही गई कानून व्यवस्था का उदाहरण है।पुलिस से की कार्रवाई की मांग ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकार के असामाजिक तत्वों को कानून का किसी भी तरह का डर नहीं है। उन्होंने कहा कि शासन में प्रशासन से मांग करता हूं कि इन ऐसा सामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मामले को लेकर गोरीवाला थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि घायल के बयान लेने के लिए पुलिस अस्पताल में पहुंची हुई है। शीघ्र ही हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया जाएगा। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे एक और छात्र ने किया सुसाइड

कोटा (हिंस)। शहर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी की तैयारी कर रहे एक और कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार को जब यह हादसा हुआ, उस समय हॉस्टल में वार्डन भी नहीं था। गुरुवार सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो हॉस्टल स्टाफ ने आवाजें देकर दरवाजा खटखटाया। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर देखा तो छात्र फंदे से लटका हुआ मिला। दादाबाडी पुलिस थाने के सीआई नरेश मीणा ने बताया कि झारखंड में देवधर का रहने वाला रिषित अग्रवाल (17) 12वीं के साथ कोटा में नीट की पढ़ाई के लिए कोचिंग ले रहा था। सुसाइड के पीछे पढ़ाई का तनाव ही मुख्य कारण बताया जा रहा है। हालांकि, परिजनों के कोटा पहुंचने पर पूछताछ से स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संसद में फिलीस्तीन जिंदाबाद कहने वाले ओवैसी पर होनी चाहिए कार्रवाई : संजय निषाद

कानपुर (हिंस)। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की संसद में सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने फिलीस्तीन जिंदाबाद का नारा लगाया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर भी विपक्षी गठबंधन के लोग चुप हैं, जबकि उनको सवाल खड़े करना चाहिये। हमारा मानना है कि हिंदुस्तान में फिलीस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाने वाले ओवैसी पर कार्रवाई होनी चाहिए और ओवैसी की सदस्यता रद्द कर आगे के चुनाव पर भी प्रतिबंध लगा देना चाहिए। यह बातें गुरुवार को कानपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। 1857 के शहीद लोचन निषाद, समाधान निषाद सहित 167 क्रांतिकारियों के 167वें बलिदान दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद सत्ती चौरा घाट पहुंचे। मत्स्य मंत्री ने कार्यक्रम से पहले सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में हुए जल भराव की स्थिति पर काम किया जा रहा है। वहीं वीआईपी कल्चर को लेकर चल रहे चेकिंग अभियान पर कहा कि कार्रवाई हो रही है। कोई

भी नियम लागू होने और समझने में समय लगता है। जल्द ही या कल्चर भी खत्म हो जाएगा। पेपर लीक मामले पर कहा कि पहले की सरकारों के कारण ऐसा हो रहा है। जल्द ही सरकार नकल माफियाओं की कमर तोड़ने और कार्रवाई करने के लिए सख्त नए नियमों के साथ रोकथाम कर रही है। निषाद समुदाय के लिए भी मंत्री ने कहा कि कानपुर के सत्ती चौरा घाट को पर्यटक स्थल बनाया जाए। संविधान में फिशरमैन के प्रस्ताव को भी पढ़कर उनके अधिकार देने का प्रयास किया जाएगा। बजट आ रहा है शिक्षा के क्षेत्र में निषाद समुदाय को उच्च शिक्षा के जरिये ट्रेनिंग कराया जाएगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नए संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। साथ ही पट्टे के तहत तीन लाख का अनुदान भी दिया जा रहा है।

लगातार रंगदारी मांगे जाने की घटनाओं से व्यापारी वर्ग में रोष, मार्केट बंद रखेंगे व्यापारी

हिसार (हिंस)। शहर के व्यापारियों से अपराधियों द्वारा लगातार मांगी जा रही रंगदारी व अभी तक किसी अपराधी की गिरफ्तारी न होने से व्यापारियों व दुकानदारों में रोष है। लगातार हो रही घटनाओं के रोषस्वरूप व्यापारियों ने गुरुवार को बैठक करके 28 जून को ऑटो मार्केट बंद करके रोष जताने का निर्णय लिया है।बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच सरकार ने जिला पुलिस कप्तान मोहित हांडा का तबादला कर दिया है। उनकी जगह दीपक सहारण को नया एसपी लगाया गया है। शहर में ऑटो मार्केट की तीन शोरूम व दुकानों से मांगी गई करोड़ों की फिरौती व उसके बावजूद अपराधियों की गिरफ्तार न होने के रोषस्वरूप व्यापारियों ने गुरुवार को

बैठक करके शुक्रवार को ऑटो मार्केट बंद रखने की रणनीति बनाई। अब तक अपराधी महेन्द्रा शोरूम से फायरिंग करके पांच करोड़, उसके बाद भीम ऑटो मोबाइल से दो करोड़ व गोयल कार एसेससरीज नामक दुकान से दो करोड़ की रंगदारी मांग चुके हैं। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व हरियाणा कॉन्फैड़ के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने ऑटो मार्केट व शहर में व्यापारियों के साथ अनेक जगह बैठक लेकर पैदल मार्च निकाला और 28 जून को ऑटो मार्केट व नई अनाज मंडी पूरी तरह से बंद करने का आह्वान किया। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में लगातार फिरौती, लूटपाट की वारदातें होना बहुत बड़ा चिंता का विषय है। हरियाणा में लगातार अपराध बढ़ने के कारण प्रदेश का व्यापारी व आम जनता अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए भारी चिंतित है। सरकार अपराध पर अंकुश लगाने व अपराधियों को पकड़ने में पूरी तरह से विफल सिद्ध हुई है इसलिए अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। इस अवसर पर पीड़ित व्यापारी मनीष गोयल व किट्टू बंसल, ऑटो मार्केट स्पेयर पार्ट एसोसिएशन प्रधान बंटी गोयल, हरिसिंह बेनीवाल, प्रदेश सचिव निरंजन गोयल, ओमप्रकाश बजाज व राहुल गर्ग आदि व्यापारी प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

शहरी रोजगार गारंटी योजना का बजट जल्द जारी करे राज्य सरकार : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का रोका हुआ बजट जल्द जारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि योजना का बजट रोकने से लाखों शहरी जरूरतमंद परिवारों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट किया कि हमारी सरकार ने राजस्थान मिनिमम इनकम गारंटी कानून बनाया, जिसके तहत गांवों में मनरेगा एवं शहरों में इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना से 125 दिन का रोजगार तथा बुजुर्ग, दिव्यांग एवं एकलनारी को न्यूनतम 1,000 रुपए पेंशन सुनिश्चित की गई तथा इस पेंशन में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी प्रतिवर्ष होगी।

चिकित्सक ने मरीज को बाहर निकाला विरोध में ग्रामीणों ने की नारेबाजी

हिसार (हिंस)। जिले के हांसी क्षेत्र के गांव सोरखी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में ग्रामीणों ने हंगामा करके प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने अस्पताल के दंत चिकित्सक डॉ. नवीन कुमार पर एक युवक के साथ अभद्र व्यवार करने व मरीज पर एससीएसटी एक्ट लगाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। सीएचसी के पास शुक्रवार सुबह एकत्रित हुए ग्रामीणों ने बताया कि 21 जून को सोरखी निवासी ललित अपना दांत दिखाने के लिए सीएचसी में आया था। सीएचसी में तैनात डेंटल सर्जन डॉ. नवीन अस्पताल में अपने कमरे में बैठकर मरीज को चेक कर रहा था। पर्ची कटवाकर वह डॉक्टर के पास दांत दिखाने के लिए उसके कमरे में गया तो डेंटल सर्जन नवीन क्रोधित हो गया और ललित के साथ गाली गलौच करने लग गया। जब ललित ने गाली गलौच का कारण पूछा तो डॉक्टर नवीन ने उसके साथ धक्कामुक्की करते हुए उसको कमरे से बाहर निकाल दिया। जब ललित ने उसके साथ गलत हुए दुर्व्यवहार का विरोध किया तो डॉ. नवीन ने उस पर एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज करवाने की धमकी दी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि यहां पर कोई भी डॉक्टर समय पर नहीं आता। अगर कोई मरीज आता है तो उसको बिना देखे ही हांसी या हिसार रेफर कर दिया जाता है। इस बात को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि जो भी मरीज सीएचसी सोरखी में इलाज के लिए जाता है, उन्हें दवाइयां भी नाममात्र मिलती हैं। ग्रामीणों ने कहा कि अगर दोबारा से सीएचसी सोरखी में किसी भी मरीज के साथ अगर दुर्व्यवहार हुआ तो वे सीएचसी को ताला जड़ देंगे। सरपंच रामचंद्र ने बताया कि सीएचसी सोरखी में डॉक्टरों की भारी कमी है। जो डॉक्टर यहां पर तैनात हैं वे बहुत ही काम आते हैं और समय पर नहीं आते। सीएचसी सोरखी में दवाइयां भी पूरी नहीं मिलती। कई बार स्टाफ को मौखिक तौर पर समय पर आने व ड्यूटी के दौरान मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए कहा गया है लेकिन स्टाफ पर इन बातों का कोई असर नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थिति में सुधार करने की मांग की है।

यूपी की तर्ज पर अलवर में बदमाश सहित 10 घरों पर चला पीला पंजा

अलवर (हिंस)। पुलिस टीम पर हमलाकर पांच दिन पहले भागे हिस्ट्रीशीटर फिरोज खान सहित 10 आरोपियों के अवैध निर्माणों पर गुरुवार को प्रशासन का बुलडोजर चला। यूआईटी ने मन्नाका क्षेत्र के कमल का बास में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों को तीन दिन पहले चिह्नित कर नोटिस दिए थे। इनमें आरोपियों को खुद अतिक्रमण हटा लेने के निर्देश दिए थे। नोटिस की अवधि समाप्त होने पर प्रशासन अतिक्रमणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह ने बताया कि पैमाइश में फिरोज खान पुत्र खुर्शीद सहित 10 लोगों के पक्के निर्माण सरकारी जमीन पर मिले हैं। जिन्हें गुरुवार को यूआटी की मदद से तोड़ा गया। इस दौरान कई थानों की पुलिस और भारी पुलिस लवाजमा मौके पर तैनात रहा। कार्रवाई के दौरान एसडीएम प्रतिक जुईकर को मजिस्ट्रेट लगाया गया। वैशाली नगर थानाधिकारी सीताराम सैनी ने बताया कि फरार हिस्ट्रीशीटर फिरोज की तलाश में अलग-अलग टीमें लगी हुई है। जल्दी आरोपी पुलिस को गिरफ्त में होगा। यूपी की तर्ज पर अलवर में आज पीला पंजा चला। इस दौरान कार्रवाई के मजिस्ट्रेट एसडीएम प्रतिक जुईकर, एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह, यूआईटी के टी आर ओ अनिल शर्मा, तहसीलदार अन्नू कुमारी, पुलिस उपाधीक्षक डॉ पूनम, पटवारी अमित नरुका, अधिशाषी अभियंता संभव अवस्थी, सहायक अभियंता बहादुर सिंह, कनिष्ठ अभियंता दौलतराम सहित कई थानो की पुलिस और लाइने का जाप्ता तैनात रहा। अतिक्रमण

हटाने की कार्रवाई के दौरान सभी घर खाली रहे। इन घरों में रहने वाले लोग पहले ही खाली कर चले गए। जहां तक अतिक्रमण का निशान प्रशासन की और से लगाया गया उस स्थान तक से घरों में रहने वालो ने अपना सारा सामान हटा लिया। इससे अतिक्रमण हटाने में प्रशासन को भी ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौके पर कोतवाली, एनईबी थाना, वैशाली थाना, शिवाजी पार्क आदि थानो के थानाधिकारी और जाप्ता सहित करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात रहे। इनके अलावा यूआईटी, बिजली विभाग सहित अन्य कई विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे। किसी तरह का विरोध होने से निपटने के लिए घरों के ऊपर और घरों के पीछे की साइड भी पुलिस जाप्ता तैनात रहा। साथ ही पुलिस के अधिकारी लावजमे के साथ गांव में गशत करते रहे। आरोपियों के घरों के आसपास रोड पर पुलिस जाप्ता तैनात रहा। आने जाने वाले लोगों को रोड पर रुकने नहीं दिया। हिस्ट्रीशीटर सहित 10 मकानों पर बुलडोजर चलाने से पहले बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा बिजली के पोल से कनेक्शन काटे गए। इसके बाद कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बिहार से मनीष और आशुतोष को किया गिरफ्तार

पटना (हिंस)। नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने गुरुवार को मनीष कुमार और आशुतोष कुमार को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने परीक्षा से पहले उम्मीदवारों को सुरक्षित परिसर उपलब्ध कराया था, जहां उन्हें लीक हुए पेपर के साथ उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई गई थी। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, मनीष प्रकाश अपनी कार में उम्मीदवारों को लर्न प्ले स्कूल ले जाने के लिए जिम्मेदार था जबकि आशुतोष छात्रों के लिए सेफ हाउस में परिसर की व्यवस्था करता था, जिन्हें उसके घर में ठहराया जाता था। मनीष को पटना से पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने मनीष की पत्नी को फोन करके उसकी गिरफ्तारी की सूचना दी। यह सीबीआई द्वारा की गई पहली गिरफ्तारी है। इससे पहले बिहार सरकार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को ही हिरासत में लिया था। मनीष प्रकाश और आशुतोष दोनों को अदालत में पेश किया गया है। बिहार सरकार ने 2024 नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को बीते तीन दिन पहले सौंप दी थी। आर्थिक अपराध इकाई ने मामले के सभी अपडेट रिकॉर्ड केंद्रीय एजेंसी को सौंप दिए हैं। नीट पेपर लीक मामले में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि हम कानून ला रहे हैं। केंद्र सरकार ने भी कानून का प्रावधान किया है। इसमें 10 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में शामिल उग्रवादियों का डाक्टर गिरफ्तार

पलामू (हिंस)। जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में शामिल उग्रवादियों का डाक्टर सुनील पासवान उर्फ डाक्टर जी को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना पर सुनील पासवान को पलामू व्यवहार न्यायालय के मुख्य गेट के सामने कोर्ट-समाहरणालय रोड से गिरफ्तार किया गया। नौडीहा बाजार के तत्कालीन थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव ने 15 नामजद एवं अन्य चार-पांच अज्ञात प्रतिबंधित उग्रवादियों के विरूद्ध नाजायज मजमा बनाकर अवैध अग्नेयास्त्र से लैश होकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने और उनके पास से अवैध अग्नेयास्त्र, नक्सली पर्चा रखने एवं बरामद होने के आरोप में मामला दर्ज किया था। नौडीहा बाजार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त कांड के प्राथमिकी अभियुक्त सुनील पासवान उर्फ डाक्टर जी पिता श्याम लाल पासवान भुडुवा-पाटन पलामू व्यवहार न्यायालय परिसर में आया हुआ था। एक टीम बनाकर मौके पर भेजी गई और डाक्टर को गिरफ्तार किया गया।

एमएसएमई में 2025 तक पैदा होंगे 2 लाख नए रोजगार के अवसर

नई दिल्ली।
भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) इकाइयों में साल 2025 तक करीब 1.2 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। इस दौरान देश में एमएसएमई इकाइयों में करीब दो लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जारी हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई ग्लोबल टेक्नोलॉजी और डिजिटल टैलेंट सॉल्यूशंस प्रोवाइडर, एनएलबी सर्विसेज की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि नए रोजगार के अवसर शहरी और ग्रामीण दोनों में सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मिलेंगे।

एमएसएमई में नई उभरती हुई इंडस्ट्रीज जैसे ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में रोजगार के अवसरों में बढ़त देखने को मिलेगी।

एनएलबी सर्विसेज के सीईओ, सचिन अलुग ने कहा कि भारत 633.9 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज का घर है, जो कि विशेषकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में रोजगार देती है।

मौजूदा समय में लघु उद्योग जो कि कुल इंडस्ट्रियल यूनिट्स का 96 प्रतिशत है। भारत में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है।

जीडीपी में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है और यह देश के कुल रोजगार में 62 प्रतिशत का योगदान देता है।

अलुग ने आगे कहा कि अन्य उभरते हुए देशों में एमएसएमई का अर्थव्यवस्था में योगदान 77 प्रतिशत है जो कि दिखाता है कि भारत में अभी एमएसएमई के विकास के लिए काफी स्थान शेष है।

महामारी और डिजिटाइजेशन के बढ़ते चलन के कारण निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्टिंग और सप्लाई-चेन एमएसएमई में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में नए रोजगार के अवसर सबसे अधिक पैदा होंगे। 24.44 प्रतिशत सूक्ष्म, 5.26 प्रतिशत लघु और 2.77 प्रतिशत मध्यम उद्योगों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में ज्यादा अच्छी ग्रोथ देखी जा रही है।

आगे कहा कि अगले पांच वर्षों में महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है। इससे रोजगार के अवसर आने वाले समय में और बढ़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

2023 में भारत को विदेश से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले, पिछले साल के मुकाबले 7.5 फीसदी की वृद्धि

वाशिंगटन । साल 2023 में भारत को विदेशों से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले जो कि इसी दौरान मैक्सिको को

मिले 66 अरब डॉलर के मुकाबले करीब दो गुना है। विश्व बैंक ने जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसी अवधि में चीन को 50, फिलीपीन को 39 और पाकिस्तान को 27 अरब डॉलर हासिल हुए। साल 2021-22 की अवधि में दुनिया में तेज वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद साल 2023 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विदेशों से आने वाला पैसा 656 अरब डॉलर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में विदेशों से आने वाला पैसा 7.5 फीसदी की दर से बढ़ा। इस दौरान महंगाई में कमी और भारत के दक्ष श्रमिकों के सबसे बड़े केंद्र अमेरिका के श्रम बाजार व अन्य देशों में दक्ष व कम दक्ष श्रमिकों की मांग में मजबूती का फायदा साफ नजर आया। विदेशों में मांग की यही स्थितियां पाकिस्तान की भी मदद कर सकती थीं लेकिन आतंरिक उथल-पुथल और आर्थिक कठिनाइयों के कारण वहां विदेश से पैसे की आवक 12 फीसदी घट गई। 2022 में पाकिस्तान को 30 अरब डॉलर मिले थे जिसमें इस बार 3 अरब की गिरावट दर्ज की गई। विश्व बैंक के अनुसार, भारत को संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी, 2023 में हुए समझौते का फायदा मिला जहां से उसे इसे बार 18 फीसदी राशि हासिल हुई है। यूएई इस मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। इसके बाद सउदी अरब, कुवैत, ओमान और कतर का नंबर है जहां से भारत को 11 फीसदी पैसा हासिल हुआ। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि 2024 में भारत को विदेशों से हासिल होने वाला पैसा 3.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 124 अरब डॉलर रह सकता है। वहीं, 2025 में यह 4 फीसदी बढ़कर 129 अरब डॉलर पहुंच जाएगा।

आने वाले बजट में सरकार कई ऐतिहासिक कदम उठाएगी, संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति का एलान

नई दिल्ली । देश में 18वीं लोकसभा के गठन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त सत्र को

संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आगामी बजट में कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे और प्रमुख आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। राष्ट्रपति ने 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अगले संसद सत्र में सरकार द्वारा पेश किया जाने वाला बजट इसकी भविष्योन्मुखी दृष्टि का दस्तावेज होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसले होंगे और कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का मानना है कि निवेश के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह प्रतिस्पर्धी-सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप है। मुर्मू ने आगे कहा, भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों में सामान्य काल नहीं होने क बावजूद औसतन 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह विकास दर वैश्विक महामारी और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बावजूद हासिल की गई।

फॉक्सकॉन पर विवाहित महिलाओं को काम से रोकने का आरोप, श्रम मंत्रालय ने जवाब मांगा- भेदभाव क्यों

नई दिल्ली । फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन प्लांट में विवाहित महिलाओं को काम ना करने देने पर केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय से जवाब मांगा है। श्रम मंत्रालय ने तमिलनाडु श्रम विभाग से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। श्रम मंत्रालय ने कहा, 'समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरुष और महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। श्रम मंत्रालय ने बताया कि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने और प्रशासन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए उससे रिपोर्ट मांगी गई है। इसके साथ ही क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त कार्यालय को भी भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने कहा है कि तमिलनाडु में फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन प्लांट में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं दिए जाने के मामले में गंभीर है।

दमदार स्टोरेज कैपेसिटी के साथ एआई फ्लैगशिप किलर रियलमी जीटी 6 स्मार्टफोन हुआ लॉन्च

नई दिल्ली।
मोबाइल फोन के मॉडल और डिजाइन वक्त के साथ बदल रहे हैं। पहले एंटीना वाले भारी-भरकम जैसे डिवाइस स्लीक, पावरफुल स्मार्टफोन में बदल गए हैं।उन शुरुआती मॉडल्स की स्टोरेज कैपेसिटी हमारे स्लिम डिवाइस की तुलना में बहुत कम थी।

स्मार्टफोन आज पर्सनल असिस्टेंट्स बन गए हैं, जो काम और एंटरटेनमेंट से लेकर बैंकिंग और वीडियो प्रोडक्शन जैसे कई टास्क आसानी से करते हैं। इसके लिए ज्यादा डेटा स्टोरेज टेक्नोलॉजी की जरुरत होती है।

जैसे-जैसे स्मार्टफोन तेजी से डेवलप हो रहे हैं, ज्यादा पावरफुल और एडवांस फीचर्स से लैस हो रहे हैं, ऐसे में क्रिक रिस्पांस और फास्ट स्टोरेज सॉल्यूशन की आवश्यकता ज्यादा है। 5जी टेक्नोलॉजी के आने से डिमांड और बढ़ गई है।

स्टोरेज टेक्नोलॉजी ने इस चुनौती को स्वीकार किया जिसके बाद अब ज्यादा स्पेस यूटिलाइजेशन, बेहतर फाइल कंप्रेशन और बेहतर मैनेज सिस्टम सामने आया है।

ये डेवलपमेंट हाई-रिज़ॉल्यूशन मीडिया, सोफिस्टिकेटेड ऐप और गेम की बढ़ती जरूरतों को पूरा करते हैं, जिससे यूजर एक्सपीरियंस बेहतर होता है। स्टोरेज टेक्नोलॉजी की प्रोग्रेस, हालांकि अक्सर अनदेखी की जाती है, यह स्मार्टफोन में अहम कंपोनेंट रहा है, जो हमारी लगातार बढ़ती डिजिटल जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

ज्यादा स्टोरेज कैपेसिटी वाला एक स्मार्टफोन हाल ही में लॉन्च किया गया रियलमी जीटी 6 है। ब्रांड ने 20 जून को डिवाइस को लॉन्च किया, जिससे फैंस

को इसके सभी रोमांचक फीचर्स की झलक देखने को मिली। इसमें 16 जीबी प्लस+ 512 जीबी की स्टोरेज कैपेसिटी है।

रिजनेबल प्राइस पर इस टॉप वेरिएंट की घोषणा ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। यह 40,000 रुपये से कम कीमत में 16 जीबी प्लस 512 जीबी स्टोरेज देने वाला एकमात्र स्मार्टफोन है।

जीटी 6 में 16 जीबी एलपीडीडीआर 5 एक्स रैम और 512 जीबी ओवरक्लॉक यूएफएस 4.0 स्टोरेज का शानदार कॉम्बिनेशन है।

चाहे आप गेम लॉन्च कर रहे हों या बड़ी फाइल्स तक एक्सेस कर रहे हों, यह स्टोरेज कॉन्फिगरेशन स्मार्टफोन इंडस्ट्री में एक गेम-चेंजर है। यह न केवल यूजर्स को हाई-रिजॉल्यूशन फोटो, वीडियो और ऐप्स की एक एक्सटेंसिव लाइब्रेरी स्टोर करने की अनुमति देता है, बल्कि मल्टीटास्किंग कैपेबिलिटी को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।

पर्याप्त रैम, लोड टाइम को कम करने और एक सहज यूजर एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए मिलकर काम करता है जो हाई-एंड कंप्यूटर को टक्कर देता है। पावर यूजर्स और मोबाइल गेमर्स के लिए, परफॉर्मेंस का यह लेवल मोबाइल कंप्यूटिंग में एक नया स्टैंडर्ड स्थापित करता है। जीटी 6 की प्रभावशाली स्टोरेज कैपेबिलिटी के आधार पर, हाई स्टोरेज वैरिएंट चुनने के कई और फायदे हैं। 512 जीबी तक के स्टोरेज के साथ यूजर्स बड़े डिजिटल प्लेग्राउंड को एन्जॉय कर सकते हैं, स्पेस की कमी की चिंता किए बिना ऐप्स, गेम, फोटो और वीडियो की एक्सटेंसिव लाइब्रेरी स्टोर कर सकते हैं।

स्टोरेज की भरमार न केवल यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाती है, बल्कि डिवाइस के परफॉर्मेंस को भी शानदार रूप देती है। फ्री स्पेस सिस्टम ऑपरेशन्स की अनुमति देता है।

हाई स्टोरेज कैपेसिटी क्लाउड सर्विस पर निर्भरता को कम करती है, बेहतर ऑफलाइन एक्सेसिबिलिटी को सुनिश्चित करती है, और बढ़ते फाइल साइज के लिए डिवाइस को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाती है। इसका मतलब है, स्टोरेज को मैनेज करने में कम समय और अपने पसंदीदा कंटेंट को बिना किसी रुकावट के एन्जॉय कर सकते है।

रियलमी जीटी 6 स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी, खासकर स्टोरेज कैपेबिलिटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास का प्रमाण है।

अपने प्रभावशाली 16 जीबी रैम और 512 जीबी स्टोरेज के साथ, यह यूजर्स को ऐप्स, मीडिया और फाइलों के लिए एक बड़ा डिजिटल प्लेग्राउंड प्रदान करता है।

अत्याधुनिक स्टोरेज टेक्नोलॉजी को पावरफुल परफॉर्मेंस फीचर्स के साथ जोड़कर, रियलमी जीटी 6 मिड-हाई सेगमेंट में अल्टीमेट डिवाइस के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है, जो यूजर्स को अपने स्मार्टफोन से क्या उम्मीद करनी चाहिए, इसके लिए नए मानक स्थापित करता है।

रियलमी जीटी 6 का 16 जीबी प्लस 512 जीबी वेरिएंट अब रियलमी डॉट कॉम और फ्लिपकार्ट पर केवल 39,999 रुपये (ऑफर के साथ) की कॉम्पिटेटिव प्राइस पर उपलब्ध है।

इस साल बेहतर मानसून की उम्मीद

घरेलू जीडीपी मजबूत 7 फीसदी से अधिक रहेगी आर्थिक वृद्धि दर

नई दिल्ली ।
नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा, प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू जीडीपी मजबूत बनी हुई है। इसकी रफ्तार अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तेज है।

सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद और अब तक कोई वैश्विक जोखिम नहीं होने की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार 7 फीसदी से अधिक रहेगी। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा, प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू जीडीपी मजबूत बनी हुई है। इसकी रफ्तार अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तेज है।

सभी एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर अनुमान में संशोधन किया है।

निवेश-आर्थिक गतिविधियों में तेजी

आर्थिक शोध संस्थान की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 7 फीसदी से अधिक और 7.5 फीसदी के आसपास रहेगी। यह संभावना पहली तिमाही में देखी गई आर्थिक गतिविधियों में तेजी, निवेश, वृद्धि और व्यापक आर्थिक स्थिरता पर गहन नीतिगत ध्यान एवं सामान्य मानसून की उम्मीदों पर आधारित है।

खाद्य कीमतों पर काबू पाना चुनौती मुक्त ने कहा, महंगाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही मौद्रिक नीति को और कड़ा किए जाने की स्थिति नहीं दिख रही है। वैश्विक वातावरण भी अनुकूल प्रतीत हो रहा है। हालांकि, खाने-पीने की ऊंची कीमतों पर काबू पाना एक चुनौती बनी हुई है।

दो दिन की नीलामी में 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिका सबसे ज्यादा एयरटेल ने 6,857 करोड़ का खरीदा

नई दिल्ली ।
स्पेक्ट्रम नीलामी दूसरे दिन बोली शुरू होने के कुछ घंटों में ही खत्म हो गई। दो दिन की नीलामी में सरकार को सिर्फ 11,340.78 करोड़ रुपये ही मिले। यह रकम प्रस्तावित स्पेक्ट्रम के लिए अनुमानित न्यूनतम मूल्य 96,238 करोड़ रुपये का 11.78 फीसदी है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया, नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज के बीच कुल 10 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की गई। अनुमान है कि सात दौर की बोलियों में सिर्फ 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम ही बेचे गए हैं। नीलामी के पहले दिन 25 जून को पांच दौर की बोलियां लगाई गईं। ज्यादा गतिविधि नहीं हुई। नीलामी में इसलिए कम मिलीं बोलियां बाजार पर्यवेक्षकों ने कम बोली की अपेक्षा की थी क्योंकि दूरसंचार कंपनियां स्पेक्ट्रम नवीनीकरण के साथ अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए रेडियो तरंगों पर चुनिंदा रूप से ध्यान दे रही हैं।

पिछली नीलामी 2022 में हुई थी, जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी स्पेक्ट्रम की

रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी। एयरटेल ने खरीदा सर्वाधिक 6,857 करोड़ का स्पेक्ट्रम स्पेक्ट्रम नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हिस्सा लिया। भारती एयरटेल ने ताजा नीलामी में सबसे ज्यादा 6,856.76 करोड़ रुपये में 97 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदा, जो कुल बिके रेडियो तरंगों का करीब 60 फीसदी है। वोडाफोन आइडिया ने करीब 3,510.4 करोड़ रुपये मूल्य के स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगाई। रिलायंस जियो ने 973.62 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम हासिल किया।

इंडिया सीमेंट्स में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी अल्ट्राटेक: बोर्ड ने दी मंजूरी; इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

नई दिल्ली।
अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23 प्रतिशत की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ स्टॉक्स को 267 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से अल्ट्राटेक खरीदेगी। इस हिसाब से इस डील की कुल कीमत करीब 1,885 करोड़ रुपए हो सकती है।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। इसी के साथ ही आज इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11.43 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है, ये 292.63 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 दिन में इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 26.52 प्रतिशत और 1 महीने में 37.06 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी 4.44 प्रतिशत की तेजी

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी 4.44 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। पिछले 5 दिन में

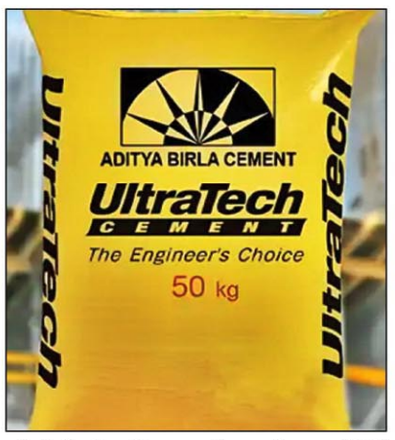

कंपनी के शेयर में 6.40 प्रतिशत और 1 महीने में 13.78 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले 1 साल में अल्ट्राटेक सीमेंट ने 41.74 प्रतिशत की रिटर्न दिया है।

राधाकिशन दमानी के पास इंडिया सीमेंट्स में 20.78 प्रतिशत की हिस्सेदारी

प्रमोटर ग्रुप के पास इंडिया सीमेंट्स में 28.42 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि जाने-माने निवेशक राधाकिशन दमानी और उनके सहयोगियों के पास सीमेंट कंपनी में 20.78 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। अल्ट्राटेक ने कहा कि अधिग्रहण पूरा होने की सांकेतिक समय अवधि एक महीने है। कंपनी ने कहा कि अधिग्रहण कैश में किया जा रहा है।

देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है अल्ट्राटेक

अल्ट्राटेक देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 152.7 एमपीटीए है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने 7,600 करोड़ की एंटरप्राइज वैल्यू पर केसोराम के सीमेंट बिजनेस का अधिग्रहण किया था।

अयोध्या में टाटा समूह बनाएगा टेंपल म्यूजियम योगी सरकार ने 1 रुपये लीज पर दी जमीन

लखनऊ ।
22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होने के बाद से अयोध्या का नाम विश्व पटल पर फिर छा गया है। तमाम बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां होटल और रियल एस्टेट डेवलपमेंट करने में जुटी हैं। रातोंरात अयोध्या की जमीनों के रेट कई गुना बढ़ गए। इस बीच खबर है कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने टाटा समूह की कंपनी टाटा संस को महज 1 रुपये सालाना किराए पर जमीन दी है। फैसले पर योगी सरकार की कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है।

योगी सरकार के पर्यटन विभाग ने टाटा संस को 1 रुपये सालाना किराए पर 90 साल के लिए जमीन की लीज दी है। जमीन पर टाटा संस टेंपल म्यूजियम यानी मंदिरों का अजायबघर बनाएगी। टाटा संस ने कहा है कि अपने कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉंसिबिलिटी (सीएसआर) फंड से 650 करोड़ खर्च कर टेंपल

म्यूजियम बनाएगी। यह म्यूजियम अयोध्या की सदर तहसील के मांझा जामतारा गांव में बनाया जाएगा।

टाटा संस 650 करोड़ में टेंपल म्यूजियम बनाने के साथ ही इसके आसपास और भी इन्फ्रा तैयार करेगी। इसके लिए कंपनी ने 100 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही है। टाटा संस ही इस म्यूजियम की देखरेख व प्रबंधन का काम भी करेगी। अनुमान है कि योगी सरकार म्यूजियम के लिए करीब 2 एकड़ जमीन को 1 रुपये सालाना किराये पर 90 साल के लिए लीज पर देगी।

बात दें कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में रोजाना करीब 2 से 4 लाख लोग दर्शन करने आते हैं। म्यूजियम व अन्य पर्यटन स्थलों के विकसित होने के बाद सैलानियों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र का कहना है कि मंदिर का पूरा काम मार्च, 2025 तक समाप्त हो जाएगा, जबकि पहली मंजिल का काम जुलाई के आखिर तक पूरा करने का लक्ष्य है। यूपी वालों को एक और सौगात मिलने वाली है। योगी सरकार लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु में हेलीकॉप्टर सर्विस शुरू करने जा रही है। इसके लिए हेलीपैड बनाने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनाया जा रहा है। इस सर्विस का फायदा आम आदमी को भी मिलेगा, जिसके लिए किराया चुकाना पड़ेगा।

सोना गिरकर 71 हजार, चांदी के भाव भी गिरी

नई दिल्ली । सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव 71 हजार रुपये से नीचे, जबकि चांदी के वायदा भाव 86,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में नरमी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 97 रुपये की गिरावट के साथ 70,992 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 108 रुपये की गिरावट के साथ 70,981 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 401 रुपये की गिरावट के साथ 86,564 रुपये पर खुला। इस समय यह 340 रुपये की गिरावट के साथ 86,625 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,309.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,313.20 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,311.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.77 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.93 डॉलर था। फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 28.79 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर

नई दिल्ली ।
तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया है। राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की तूलिका ने 78 किग्रा से अधिक वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। तूलिका ने साइ मीडिया से कहा, जूडो हमेशा से ही हैरान करने वाली चीजों से भरा रहा है और कोई नहीं जानता कि कब क्या हो जाए। इसलिए कोई नहीं जानता कि उस दिन क्या होगा। देखिए कैसे मैंने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। उन्होंने कहा, लेकिन अपनी ट्रेनिंग को देखते हुए मुझे उम्मीद है कि अगर मैं फाइनल में जगह नहीं भी बना पाई तो कम से कम कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचूंगी। हम स्वर्ण पदक के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। क्वालिफाइंग चक्र 22 जून 2022 से 23 जून 2024 था और 2022 में चोट लगने के बाद तूलिका ओलंपिक में क्वालीफाई करने को लेकर आश्वस्त नहीं थी। हालांकि, पिछले महीने अबु धाबी में विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कनाडा की पोर्तुओंदो इसासी के खिलाफ जीत ने उनकी ओलंपिक रैंकिंग में सुधार किया। ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था। हालांकि, पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने और इस साल अप्रैल में हांगकांग में एशियाई चैंपियनशिप ने उन्हें महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में मदद की। दिल्ली की यह लड़की 1345 अंकों के साथ 36वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा, मैंने एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप दोनों में तीन-तीन मुकाबले जीते। हांगकांग में मुझे सबसे पहले लगा कि मैं कर (क्वालीफाई) सकती हूं। विश्व चैंपियनशिप में जीत से मदद मिली। तूलिका का मानना है कि चीन की सू शिन खेलों के दौरान उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, वह मेरी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी होंगी क्योंकि 2022 एशियाई चैंपियनशिप में उनके साथ मुकाबले के दौरान मैं चोटिल हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली । भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालीफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा। पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा।

पेरिस ओलंपिक की पैदल चाल स्पर्धा में भाग लेंगे अक्षदीप

नई दिल्ली । आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किस था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाड़ी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

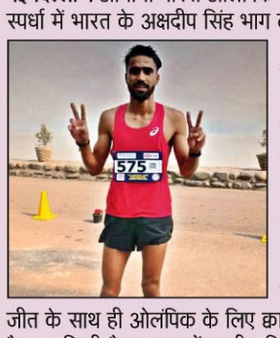

शुभमन की कप्तानी में एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी भारतीय टीम

मुम्बई । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस दौरे में बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हाई-परफॉर्मेंस कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं इस दौरे के लिए चयनित यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और खलील अहमद टी20 विश्वकप समाप्त होने के बाद रवाना होंगे। इस दौर के लिए युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और बल्लेबाज रियान पराग अभी राजस्थान रॉयल्स के उच्च प्रदर्शन केंद्र में तैयारी कर रहे हैं। वे वहां लगभग एक सप्ताह प्रशिक्षण में बिताएंगे और मुंबई में अन्य खिलाड़ियों से मिलेंगे। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, अंतरिम भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में युवा टीम के साथ यात्रा करेंगे। एनसीए के सहयोगी स्टाफ के भी लक्ष्मण के साथ रहने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में प्रवेश किया

त्रिनिदाद ।
दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। इसी के साथ ही अफ्रीकी टीम ने बड़े मुकाबलों में बिखरने के मिथक को भी तोड़ दिया। इस मैच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला कियो जो गलत साबित हुआ। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने पहली बार सेमीफाइनल खेल रहे अफगानिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम केवल 11.5 ओवर में केवल 56 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के फाइनल में जगह बनाई है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। यानसन ने 16 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका का एकमात्र विकेट क्विंटन डि कॉक का गिरा। डि कॉक ने केवल 5 रन बनाये थे। इसके बाद कप्तान एडन मारक्रम और रिजा हेंड्रिक्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। मारक्रम ने नाबाद 23 जबकि हेंड्रिक्स ने नाबाद 29 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज शून्य पर ही आउट हो गये। उसके बाद एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये। आधी से अधिक टीम 30 रनों तक ही पेवेलियन लौट गयी। सबसे ज्यादा 10 रन अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। टीम को 13 अतिरिक्त रन बने। इस प्रकार लीग स्तर से लेकर सुपर आठ में उलटफेर कर सबको हैरान करने वाली अफगान टीम का सफर समाप्त हो गया। यानसन के अलावा कागिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया के सामने अफगान बल्लेबाजी बेबस नजर आयी। रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमातुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नईब, नांगेयालिया खरोटे और मोहम्मद नबी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से यानसन ने 3 जबकि रबाडा और नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

पीसीबी की समीक्षा बैठक में उठेगा खिलाड़ियों के निजी कार्यक्रमों में जाने का मामला

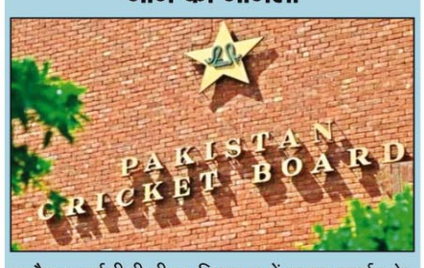

लाहौर । आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के क्रिकेटरों की मुश्किले बढ़ना तय है। इसका कारण है कि खिलाड़ियों पर टूर्नामेंट के दौरान निजी कार्यक्रमों के जरिये पैसा कमाने के आरोप लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ खिलाड़ियों ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 2500 डॉलर लिए थे। इस कार्यक्रम का आयोजन डलास में किया गया था। इसके बाद एक अन्य कार्यक्रम आयोजित होना था पर कप्तान बाबर आजम और बाकी खिलाड़ियों को दी जाने वाले पैसे में अंतर के कारण इसे रद्द करना पड़ा था। अब ये सारे मामले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की समीक्षा बैठक में उठाए जाने तय हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि खिलाड़ियों की अनुशासनहीन और लापरवाही के लिए टीम प्रबंधन भी जिम्मेदार है। उसने ही खिलाड़ियों को काफी रियायतें दी थीं। इसके अलावा टीम में मतभेद और गुटबाजी का भी मामला समीक्षा बैठक में उठान तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम दो गुटों में बंटी हुई है और कप्तानी को लेकर बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद हैं। ऐसे में बड़े बदलाव होने की संभावना है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, जिनकी टूर्नामेंट के दौरान परिवार को साथ लाने और प्रमोशनल इवेंट्स में जाने को लेकर आलोचना हो रही है। पाकिस्तान की टीम विश्वकप के पहले दौर में ही बाहर हो गई। उसे अमेरिका के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

अगले माह एशिया कप में होगा भारत-पाक की महिला क्रिकेट टीमों में मुकाबला

मुम्बई ।
अब प्रशंसकों को एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अनुसार ये मुकाबला अगले माह श्रीलंका में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा।

इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 19 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। इस बार एशिया कप में मेजबान श्रीलंका सहित आठ टीमें भाग लेंगी। पिछली बार से अलग करते हुए इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में रहेंगे।

भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी नजर आयेंगी।अब एशिया कप में भारतीय टीम ने सबसे अधिक कुल सात बार इस खिताब जीता है। वहीं एक बार इसे बांग्लादेश ने जीता था।

लुइस किम्बर ने रॉबिन्सन को एक ओवर में रिकॉर्ड 43 रन ठोके

चेम्सफोर्ड।
लीसेस्टरशायर के लुइस किम्बर ने काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के ओली रॉबिन्सन के ओवर में 43 रन ठोककर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाकर क्रिकेट इतिहास रच दिया। डिवीजन टू काउंटी चैम्पियनशिप मैच के चौथे और अंतिम दिन, ससेक्स के रॉबिन्सन ने किम्बर को काउंटी चैम्पियनशिप के इतिहास का सबसे महंगा ओवर दिया। इस ओवर में किम्बर ने 43 रन बनाए, जो इंग्लिश प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड है। रॉबिन्सन ने वास्तव में नौ गेंदें फेंकी, जिनमें से तीन नो-बॉल थीं।

ऐसा माना जाता है कि किम्बर की उपलब्धि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में बनाए गए

सबसे अधिक रन हैं। यह 38 रनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है, जो 1998 में एलेक्स ट्यूडर और एंड्रयू फ्लिंटॉफ द्वारा संयुक्त रूप से और इस सप्ताह के शुरू में शोएब बशीर की गेंद पर डैन लॉरेंस द्वारा बनाया गया था।

लंच के समय तक किम्बर की आश्चर्यजनक पारी केवल 95 गेंदों पर 192 रन तक पहुंच गई, जो बेन कॉक्स के साथ आठवें विकेट के लिए 200 रनों की साझेदारी का हिस्सा थी। लीसेस्टरशायर सुबह के सत्र में 29 ओवरों में 236 रन बनाने में सफल रहा। किम्बर 127 गेंदों में 20 चौकों और 21 छक्कों की मदद से 243 रन बनाकर आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए और ससेक्स ने यह मैच 18 रन से जीत लिया। लीसेस्टरशायर की पारी 464 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 445 रन पर सिमट गई।

श्रीलंका की बढ़ी मुश्किलें, क्रिस सिल्वरवुड ने मुख्य कोच के पद से दिया इस्तीफा

कोलंबो ।
टी20 विश्व कप में श्रीलंका की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब था। यह टीम अपने देश लौट चुकी है, और अब निजी कारणों का हवाला देते हुए क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इसकी जानकारी शेयर की।

क्रिस सिल्वरवुड का इस्तीफा पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने के टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद सलाहकार कोच के पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद आया है।

जयवर्धने, जो पिछले जनवरी से एक साल के अनुबंध पर थे, ने छह महीने बाद ही इस्तीफा दे दिया।

सिल्वरवुड ने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब है परिवार से लंबे समय तक दूर रहना। अपने परिवार के साथ लंबी बातचीत के बाद भारी मन से, मुझे लगता है कि अब मेरे लिए घर लौटने और उनके साथ कुछ अच्छा समय बिताने का समय आ गया है।

सिल्वरवुड ने अप्रैल 2022 में मुख्य कोच के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद से उनके साथ काम

करने वाले श्रीलंका क्रिकेट और अन्य विभागों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका में अपने कार्यकाल के दौरान खिलाड़ियों, कोच, स्टाफ और एसएलसी के प्रबंधन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आपके समर्थन के बिना, कोई भी सफलता संभव नहीं होती। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है और मैं कई प्यारी यादें अपने साथ लेकर जाऊंगा।

उनके कार्यकाल में, श्रीलंका ने 2022 में टी20 एशिया कप जीता और 2023 एशिया कप में उपविजेता भी रहा।

इसके अतिरिक्त, टीम ने घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर कई द्विपक्षीय श्रृंखलाएं जीतीं। इनमें 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला जीत और बांग्लादेश पर दो टेस्ट श्रृंखला जीत शामिल हैं।

एसएलसी ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट क्रिस सिल्वरवुड को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं और उनके कार्यकाल के दौरान उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता है।

मुख्य कोच और सलाहकार कोच दोनों के इस्तीफे की वजह टीम का टी20 विश्व कप अभियान का निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जिसमें वे सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। श्रीलंका ने नीदरलैंड के खिलाफ केवल एक जीत दर्ज की, जबकि उसे दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा और ग्रुप चरण में नेपाल के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया।

महिलाओं की टेस्ट चैंपियनशिप बुरा विचार नहीं : मजूमदार

नई दिल्ली ।
भारतीय टीम बांग्लादेश में टी20आई और घर में साउथ अफ्रीका को वनडे में क्लीन स्वीप करने के बाद साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ एक टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार है लेकिन प्रमुख कोच अमोल मजूमदार को लगता है कि टीम में हर विभाग में सुधार का दायरा है।

मजूमदार ने चेन्नई में शुरू होने वाले टेस्ट से दो दिन पहले कहा, हमारे पास मोमेंटम है, हम बांग्लादेश में जीते, हम साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ जीते। कई प्रारूप हैं, लेकिन इसी समय पर हम हर आने वाले मैच पर फ़ोकस करने की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट खेलने की डिमांड अलग हैं। मुझे लगता है टीम तैयार है और जहां तक सुधार की बात है तो मुझे लगता है कि तीनों ही प्रारूप में बल्लेबाज़ी, गेंदबाज़ी, फ़ील्डिंग और फ़टिनेस में सुधार किया जा सकता है। भारत ने पिछला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ मुंबई में दिसंबर में खेला था जहां उन्होंने उन्हें आठ विकेट से हराया था। इससे पहले घर में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टेस्ट में भी भारत को जीत मिली थी। वहीं

अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी मार्च-अप्रैल में पुणे में हुई सीनियर महिला अंतर ज़ोनल मल्टी डे ट्रॉफ़ी में खेले थे। 23 जून को वनडे सीरीज़ ख़त्म होने के बाद टीम को साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ आगामी टेस्ट की तैयारी के लिए पांच दिन का समय मिला था, लेकिन मजूमदार को लगता है कि एक प्रारूप में दूसरे प्रारूप में जाने में दिक्कत नहीं आएगा, क्योंकि लाल गेंद का क्रिकेट उनके लंबे समय के प्लान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, दिसंबर में हम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ लगातार टेस्ट खेले। हम जानते हैं कि लाल गेंद वाला क्रिकेट आगे चलकर महिला क्रिकेट का हिस्सा होगा और इसलिए मुझे लगता है कि मार्च-अप्रैल में हुआ इंटर-जोनल बहुत महत्वपूर्ण था। ताकि खिलाड़ियों को भी यह संदेश मिले कि हम सिर्फ़ सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट या सिर्फ़ टी20 पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हम लाल गेंद क्रिकेट पर भी ध्यान दे रहे हैं और मुझे लगता है कि वे जागरूक हैं और वे मल्टी-डे प्रारूप में जाने के लिए तैयार और उत्सुक हैं। उसके साथ तालमेल बिठाना एक अलग कहानी है। यह आधुनिक क्रिकेट की डिमांड है। आप जानते हैं कि एक टीम के तौर पर आप इससे बच नहीं सकते हैं। तो हम सभी डिमांड पर ध्यान देने की कोशिश कर रहे हैं। यह आसान नहीं है, लेकिन इसी समय यह चुनौती है और हम इसे स्वीकार कर रहे हैं। वनडे से टेस्ट टीम में अधिक बदलाव नहीं है लेकिन सुभा सतीश, राजेश्वरी गायकवाड़ और मेघना सिंह टेस्ट टीम में चुनी गई हैं। मजूमदार ने कहा, मुझे लगता है कि वे चार खिलाड़ी अहम हैं। हमने 15 दिन पहले राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में कैंप किया था, उनको ख़ासतौर से कैंप में लाल गेंद से तैयारी कराई गई थी। उनके पास पहले से ही कार्य प्रबंधन था। कार्य प्रबंधन उनके साथ शेयर किया गया था और घर जाकर भी उन्हें कुछ चीज़ करने को कही थी। उनका साप्ताहिक चार्ट सही था। यहां तक कि जब वे टीम से जुड़े और हमने कल जब अभ्यास किया तो वे चारों खिलाड़ी बेहतरीन दिख रहे थे। साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ वनडे महिला चैंपियनशिप का हिस्सा थे।

मजूमदार ने कहा कि उन्हें पुरुषों की तरह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से ऐतराज नहीं है। हालांकि अभी चार टीम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत और साउथ अफ़्रीका टेस्ट क्रिकेट खेलती है। उन्होंने कहा, टेस्ट चैंपियनशिप का आइडिया बुरा नहीं है। हम इसके लिए तैयार हैं लेकिन इसका फ़ैसला बोर्ड को करना है। अगर यह होता है तो यह खेल के लिए अच्छा होगा, यह खेल के लिए भी अच्छा होगा। टेस्ट क्रिकेट हमेशा खास रहता है। आप जानते हैं कि हर मैच जरूरी है, चाहे वनडे हो टी20 हो या टेस्ट मैच हो। मैं जानता हूं कि अभी टेस्ट चैंपियनशिप का कोई विचार नहीं है, लेकिन इसी समय हर मैच जरूरी है। हम उन मैचों को जीतने के लिए उसमें भाग लेते हैं।

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और फलों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से राहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इन फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी सेहत से क्या संबंध हैं।

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं लेकिन सेब के छिलके में भी शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। एक सेब के छिलके में औसतन चार मिलीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और अम्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह भूख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का काम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर जाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। लेकिन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही मुश्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर है क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

अ आलू का छिलका

अ ालू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

•••••में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

•••••••••••• वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

•••••••••••••••••

••••• पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

•••••••••••••••

•••स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

•••••••••• लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे

•••स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। सेहत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती हैं और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम सच में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा लाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, उठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न करें।

- लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।
- बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

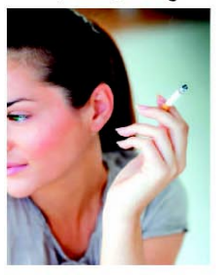

- सिगरेट-तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुनर्निर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

•••के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

- किलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जिया, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए**: 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाऐं। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाऐं। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए**: 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए**: गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी**: रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)